फाल्गुन कृष्ण पक्ष- 14, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 223 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

16 फरवरी 2026 सोमवार

आज का मौसम

29.6 अधिकतम

12.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

न्यूज विंडो

20 रुपए के लिए कर दी मजदूर की हत्या

इंदौर। छत्तीसगढ़ के देवरघाट सक्ती निवासी 45 वर्षीय खोजीराम नारंगे की मोबाइल और महज 20 रुपये के लिए हत्या कर दी गई। वह इंदौर के लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन के सामने रहता था और पोलोग्राउंड स्थित कलर लैब में बाइंडिंग का काम करता था। बाणगंगा थाना अंतर्गत एमआर-4 पर उसका शव मिला। पुलिस के अनुसार, उसकी हत्या बीस रुपये और मोबाइल लूटने के लिए की गई थी। सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपित गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके पास से दो चाकू, 20 रुपये, बाइक, टूटा मोबाइल व सिमकार्ड भी जब्त की है। पुलिस ने रेडवाल कॉलोनी से आर्यन वर्मा व भागीरथपुरा के भरत वर्मा को गिरफ्तार किया है।

दरोगा बनकर 4 करोड़ की ठगी करने वाला पकड़ाया

ग्वालियर। शहर के करीब 40 से ज्यादा लोगों से किराये पर गाड़ियां लगवाने के नाम पर चार करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी करने वाले आरोपित हिमाचल शर्मा को पुलिस ने पकड़ लिया है। वह खुद को दारोगा बताता था। उसका एक साथी सुरेश शर्मा अब भी फरार है। जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। हिमाचल शर्मा ग्वालियर के सिटी सेंटर इलाके का रहने वाला है। वह खुद को दारोगा बताता था। मध्य प्रदेश पुलिस की ड्रेस भी पहनता था और खुद को दारोगा बताकर वह लोगों को झांसे में लेता था। उसने करीब 40 से ज्यादा लोगों को फंसाया।

मंदिर में प्रसाद खाकर बीमार प्रोफेसर की मौत

जबलपुर। भेड़ाघाट स्थित त्रिपुर सुंदरी मंदिर में प्रसाद स्वरूप चढ़ाई गई मिठाई खाने से परिवार के 19 लोग बीमार हो गए। इनमें नागपुर में इलाजरत 45 वर्षीय प्रोफेसर इंद्रपाल पटेल की रविवार को मौत हो गई। जबकि सात लोगों का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। खाद्य विभाग ने बीकानेर मिष्ठान दुकान से सैंपल लेकर जांच के लिए भोपाल भेजे हैं। तीन से चार दिन में रिपोर्ट आने की संभावना है। भेड़ाघाट निवासी इंद्रपाल पटेल एलएनसीटी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर थे। परिवार में सुहागन के चलते उक्त दुकान से करीब चार किलो मिठाई खरीदी थी।

तार के फंदे में फंसे तेंदुए को वन अमले ने बचाया

सतना। खेत में लगाए गए तार के फंदे में बुरी तरह फंसे तेंदुए को वन्यजीव संरक्षण टीम ने अभियान चलाकर सुरक्षित बचा लिया। कई घंटों की सतर्क कार्रवाई के बाद तेंदुए को बेहोश कर मुक्त कराया गया, जिससे एक बड़ी अनहोनी टल गई। उसे चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेजा गया है। वन अमले को मुखबिर से सूचना मिली कि एक तेंदुआ खेत में लगाए गए तार के फंदे में फंसा हुआ है। इसके बाद डॉग स्क्वाड सतना तथा रेस्क्यू टीम कुकुन्दपुर को भी मौके पर बुलाया गया।

इंडियन नेवी ने बचाई जापानी नागरिक की जान

नई दिल्ली। इंडियन नेवी ने एक ऑपरेशन के तहत विशाखापत्तनम में एक जहाज पर सवार एक गंभीर रूप से बीमार जापानी नागरिक की जान बचाई गई। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी देते हुए लिखा कि नेवी ने 14 फरवरी को विशाखापत्तनम से 200 किलोमीटर दूर एक जहाज से एक गंभीर रूप से बीमार जापानी नाविक को निकालने के लिए एक सी किंग हेलीकॉप्टर भेजा।

आज का कार्टून

'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सबके लिए' थीम पर दुनिया भर के इंडस्ट्री लीडर्स करेंगे मंथन

आज से एआई का महाकुंभ...मोदी ने दिया सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय का सन्देश

नईदिल्ली, एजेंसी

दिल्ली में आज से 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' शुरू हो रहा है। इसमें दुनिया भर के इंडस्ट्री लीडर्स शामिल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज भारत मंडपम में इसका उद्घाटन करेंगे। इससे पहले पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एआई समिट को लेकर पूरी दुनिया के लिए संदेश दिया है। उन्होंने एक्स पर लिखा, एआई पर चर्चा के लिए दुनिया को एक साथ लाना! आज से, भारत दिल्ली के भारत मंडपम में एआई इम्पैक्ट समिट होस्ट कर रहा है। मैं इस समिट के लिए दुनिया भर के लीडर्स, इंडस्ट्री के कैप्टन्स, इनोवेटर्स, पॉलिसीमेकर्स, रिसर्चर्स और टेक के शौकीनों का दिल से स्वागत करता हूं। समिट की थीम है सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय और सभी के लिए कल्याण, सभी के लिए खुशी, जो ह्यूमन-सेंट्रिक प्रोग्रेस के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के हमारे साझा कमिटमेंट को दिखाता है।

इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ आयोजित होने वाला यह एक्सपो नवाचार, नीति और प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रभाव को दर्शाने का एक राष्ट्रीय मंच होगा, जो आम नागरिकों तक पहुंचने का प्रयास करेगा। यह एआई के व्यावहारिक प्रदर्शन का एक राष्ट्रीय मंच होगा। यह एक्सपो 70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 10 एरेना में होगा और इसमें विश्वभर की प्रौद्योगिकी कंपनियों, स्टार्टअप्स, शिक्षाविदों, केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों का समागम होगा। इस एक्सपो में 13 देशों के पवेलियन होंगे, जिनमें ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड्स, स्विट्जरलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया, ताजिकिस्तान और अफ्रीका शामिल हैं। इस आयोजन में 300 से अधिक प्रदर्शनी मंडप और लाइव प्रदर्शन होंगे, जो तीन मुख्य विषयों (लोग, ग्रह और प्रगति) पर आधारित होंगे। इसके अलावा 600 से अधिक स्टार्टअप्स भी शामिल होंगे, जिनमें से कई विश्व स्तर पर प्रभावशाली और व्यावहारिक समाधान विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप्स वास्तविक दुनिया में उपयोग हो रहे एआई समाधानों का प्रदर्शन करेंगे। पीएम मोदी ने समिट के उद्घाटन के पहले कहा कि एआई आज हेल्थकेयर, एजुकेशन, एग्रीकल्चर, गवर्नेंस और एंटरप्राइज जैसे कई सेक्टर में बदलाव ला रहा है। इम्पैक्ट समिट इसके अलग-अलग पहलुओं, जैसे इनोवेशन, कोलेबोरेशन और जिम्मेदारी से इस्तेमाल पर दुनिया भर में बातचीत को बेहतर बनाएगा। मुझे पूरा भरोसा है कि समिट के नतीजे एक ऐसे भविष्य को बनाने में मदद करेंगे जो प्रोग्रेसिव, इनोवेटिव और मौकों पर आधारित हो। भारत के 1 अरब 40 करोड़ लोगों की वजह से, हमारा देश एआई बदलाव में सबसे आगे है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर से लेकर एक वाइब्रेंट स्टार्टअप इकोसिस्टम और अत्याधुनिक रिसर्च तक एआई में हमारी तरक्की एम्बिशन और जिम्मेदारी दोनों को दिखाती है। जानकार मान रहे है कि जिस तरह दुनिया के देशों ने त्न-20 के दिल्ली घोषणापत्र पर आम सहमति जताई थी उसी तरह इस बार उम्मीद है कि सभी देश ग्लोबल ढ्ढ विजन के एजेंडे पर भारत के परिप्रेक्ष्य को समझेंगे।

3250 विशेषज्ञों का पैनल

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों सहित 25 लाख से अधिक आगंतुकों की भागीदारी की उम्मीद है। इस आयोजन का उद्देश्य वैश्विक एआई पारिस्थितिकी तंत्र में नई साझेदारियां स्थापित करना और व्यावसायिक अवसर उत्पन्न करना है। इसके अलावा, 500 से अधिक सत्रों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें 3250 से अधिक विशेषज्ञ और पैनल सदस्य शामिल होंगे। इन सत्रों में एआई के बदलावकारी प्रभावों पर चर्चा की जाएगी और भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श होगा ताकि एआई का लाभ हर नागरिक तक पहुंचे।

पत्नी के साथ आ रहे मैक्रों

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत के विकास सफर, गवर्नेंस को मजबूत करने और पब्लिक सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने में एक अहम भूमिका निभाता है। यह बड़े पैमाने पर समावेशी विकास को समर्थन करता है और 2047 तक विकसित भारत के दृष्टिकोण से मेल खाता है। भारत की भाषा और सांस्कृतिक विविधता इसे अलग-अलग लोगों की जरूरतों के हिसाब से कई भाषाएं और कई मॉडल वाले एआई सिस्टम को आगे बढ़ाने की खास जगह देती है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों अपनी पत्नी ब्रिगिट मैक्रों के साथ एआई इम्पैक्ट समिट में हिस्सा लेने के लिए भारत आ रहे हैं।

शोर-शराबे के साथ बजट सत्र की शुरुआत

हंगामे के बीच राज्यपाल ने गिनाईं सरकार की उपलब्धियां

बजट सत्र के पहले दिन विधानसभा पहुंचने पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्यपाल मंगुभाई पटेल का स्वागत किया। अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे।

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र की आज हंगामेदार शुरुआत हुई। कार्यवाही के प्रारंभ में संपूर्ण छह छंदों में वंदे मातरम् का गायन हुआ, जिसके बाद राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने अपना अभिभाषण दिया। अभिभाषण के दौरान विपक्ष ने हंगामा किया, जिसके बाद कार्यवाही अगले दिन तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यपाल ने अपने संबोधन में सरकार की विकास उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं से आए बदलावों का उल्लेख किया। साथ ही संकल्प पत्र 2023 में किए गए वादों पर अब तक हुए कार्य और आगामी लक्ष्यों की जानकारी भी दी। सदन में विभिन्न हस्तियों और नेताओं के निधन पर पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा श्रद्धांजलि दी गई। राज्यपाल ने अभिभाषण में कहा कि देश ऐसी दहलीज पर खड़ा है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत काल की संज्ञा दी है। उन्होंने उद्योगों के अनुकूल वातावरण, भोपाल में हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाने, पीएम जनमन योजना के तहत 1.35 लाख आवास निर्माण, उज्जैन में शिप्रा नदी को प्रदूषण मुक्त करने और नई शिक्षा नीति के तहत किए गए कार्यों का उल्लेख किया।

दूषित पानी से मौतों का जिक्र नहीं : सिंघार

इसी दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बीच में हस्तक्षेप करते हुए आरोप लगाया कि नल-जल योजना और इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों का मुद्दा भाषण में शामिल नहीं किया गया। इसके बाद विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी, हालांकि हंगामे के बीच राज्यपाल ने अपना अभिभाषण जारी रखा। राज्यपाल के सदन से जाने के बाद कार्यवाही दोबारा शुरू हुई, जहां विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि जो हिस्सा पढ़ा नहीं जा सका, उसे पढ़ा हुआ माना जाएगा।

राजस्थान के भिवाड़ी की घटना, दो लोगों के अभी भी फंसे होने की आशंका

केमिकल फैक्ट्री में आग, आठ मजदूर जिन्दा जले

जयपुर, एजेंसी

राजस्थान के भिवाड़ी की एक केमिकल फैक्ट्री में जोरदार धमाका होने के बाद उसमें भीषण आग लग गई। हादसे में कई मजदूर जिंदा जल गए तो कई अभी भी अंदर फंसे हुए हैं। रेस्क्यू टीम को केमिकल फैक्ट्री के अंदर से पटाखे मिले हैं। कहा जा रहा है कि यहां पटाखा भी बनाया जाता था। मौके से टीम को बारूद भी मिला है। पुलिस जांच में जुटी है।

यह घटना खुशखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के प्लॉट संख्या जी1 - 118 स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में सोमवार सुबह हुई, जिसमें आठ मजदूर जिंदा जल गए। हादसे के बाद फैक्ट्री परिसर में अफरा-तफरी मच गई। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद सातों शव बाहर निकाले, जबकि दो मजदूरों के अब भी अंदर फंसे होने की आशंका है। जानकारी के अनुसार घटना के समय फैक्ट्री में करीब 25 मजदूर काम कर रहे थे। आग इतनी तेजी से फैली कि कई मजदूर बाहर निकल ही नहीं सके। सूचना मिलते ही एसपी, भिवाड़ी प्रशांत किरण सहित पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य की निगरानी की। भिवाड़ी खुशखेड़ा और आसपास के क्षेत्रों से पहुंची दमकल की कई गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रशासन ने फैक्ट्री में सुरक्षा इंतजामों की जांच के आदेश दिए हैं।

सहयोग के संभावित क्षेत्रों का अध्ययन

तारिक रहमान के 31 प्वाइंट प्लान से सुधरेंगे भारत-बांग्लादेश संबंध!

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के साथ तारिक रहमान की नीतियों को लेकर चर्चा हो रही है। तारिक रहमान सरकार में भारत और बांग्लादेश के रिश्ते में बदलाव हो सकता है। भारत और बांग्लादेश का रिश्ता बीते 18 महीनों में यूनुस सरकार के समय निचले स्तर पर पहुंच गया है। तारिक रहमान के एजेंडे और भारत के सकारात्मक रुख ने चीजें बदलने के संकेत दिए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत ने बांग्लादेश की नई सरकार के साथ काम करने को लेकर उम्मीद जताई है तो सावधानी भी बरती है। बीएनपी का इतिहास भारत के साथ रिश्ते के मामले में बहुत अच्छा नहीं रहा है लेकिन पार्टी के मौजूदा चेयरमैन तारिक रहमान का डेवलपमेंट एजेंडा दोनों देशों के रिश्ते नॉर्मल करने का मौका बन सकता है। भारतीय पक्ष ने रहमान के कैंपेन ट्रेल पर ध्यान से नजर रखी। इसमें उन्होंने पाया कि

रहमान के 31-पॉइंट एजेंडा में कई एरिया हैं, जो भारत-बांग्लादेश के रिश्ते ठीक करने में मदद कर सकते हैं। खासतौर से डिजिटल डोमेन और इंफ्रास्ट्रक्चर प्लान शामिल हैं। डिप्लोमैटिक सोर्स का कहना है कि इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, डिजिटलाइजेशन और व्यापार पर किए गए रहमान के वादों पर दिल्ली के साथ सहयोग के संभावित एरिया के लिए जांच की जा रही है। इसके अलावा दोनों पक्षों के सामने इस साल के आखिर में आने वाले गंगा जल संधि के रिन्यूअल जैसे मुद्दे की भी दिल्ली में स्टडी की जा रही है।

नए सिस्टम का असर

प्रदेश में 18-19 को बारिश के आसार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

वेस्टर्न डिस्टरबेंस की वजह से 18 और 19 फरवरी को ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़ और नीमच में बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। भोपाल और इंदौर में बादल छा सकते हैं। फरवरी के शुरुआत में ही प्रदेश में दो बार ओले, बारिश और आंधी का दौर रह चुका है। इससे फसलों को खासा नुकसान हुआ था। इसके बाद सरकार ने प्रभावित फसलों का सर्वे भी कराया था। इसके बाद अब तीसरी बार फरवरी भीगेगा। मौसम विभाग के अनुसार, एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव होने की वजह से पहाड़ी राज्यों में असर देखा गया। वहां बारिश और बर्फबारी हुई। इसकी वजह से एमपी में कहीं-कहीं हल्के बादल छाए रहे। आज से से नया सिस्टम उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित करेगा। इसमें एमपी भी शामिल हैं। वर्तमान में प्रदेश में हल्की सर्दी का दौर ही जारी रहेगा। रात और सुबह के समय सर्दी रहेगी। ज्यादातर शहरों में रात का तापमान 10 डिग्री से ऊपर ही रहेगा। वहीं, रात में 30 डिग्री के पार पहुंच सकता है।

मेट्रो एंकर — नए मसौदे में एचआरए, शिक्षा और हॉस्टल खर्च पर मिलने वाली टैक्स छूट की लिमिट बढ़ी

नए इनकम टैक्स नियम से नौकरीपेशा को फायदा, बढ़ेगी टेक होम सैलरी

नईदिल्ली. एजेंसी

इस साल के बजट में इनकम टैक्स का साथ साल पुराना कानून खत्म कर नया कानून लागू करने का ऐलान कर दिया गया है। टैक्स विशेषज्ञों का कहना है कि नए नियम से नौकरीपेशा को लाभ होगा। 1 अप्रैल, 2026 से लागू होने वाले नए नियम के तहत नौकरीपेशा की टेक होम सैलरी बढ़ जाएगी, जिसका फायदा पुराने टैक्स रिजीम को अपनाने वालों को भी मिलेगा।

नए इनकम टैक्स ड्राफ्ट में सबसे बड़ा फायदा नौकरीपेशा को हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) के रूप में मिलने वाली इनकम टैक्स छूट पर दिया गया है। अभी तक सिर्फ दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई में नौकरी करने वाले को ही एचआरए के रूप में 50 फीसदी छूट का प्रावधान था, लेकिन नए नियम के तहत बैंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद जैसे शहरों को भी 50 फीसदी वाली कैटेगरी में शामिल कर लिया गया है। अन्य शहरों में पहले की तरह ही 40 फीसदी छूट की सीमा लागू रहेगी।

एजुकेशन और हॉस्टल अलाउंस : नए इनकम टैक्स ड्राफ्ट में शिक्षा और हॉस्टल अलाउंस पर ज्यादा छूट का प्रावधान किया गया है। अब बच्चों पर शिक्षा पर मिलने वाला अलाउंस 100 रुपये प्रति बच्चे से बढ़ाकर 3,000 रुपये कर दिया गया है। इसी तरह, हॉस्टल के अलाउंस पर मिलने वाली टैक्स छूट को भी प्रति बच्चा हर महीने 300 रुपये से बढ़ाकर 9 हजार रुपये कर दिया गया है।

समझें आपकी सैलरी पर कितना असर

मान लीजिए किसी नौकरीपेशा व्यक्ति की सालाना कमाई 30 लाख रुपये है, तो पुराने नियम के तहत शिक्षा खर्च पर 2,400 रुपये सालाना और हॉस्टल खर्च पर 7,200 रुपये की छूट मिलेगी। 75 हजार रुपये महीने किराये पर सालाना 6 लाख का एचआरए, 50 हजार का स्टैंडर्ड डिडक्शन मिलाकर कुल छूट होगी 6,59,600 रुपये। इसके बावजूद 23,40,400 रुपये नेट सैलरी होगी जो इनकम टैक्स के दायरे में आएगी। इस पर पुराने रिजीम के तहत 80सी, 80डी, 80टीटीए, 80सीसीसी और 80सीसीडी सेक्शन में कुल छूट होगी 4.05 लाख रुपये। इन सभी के बावजूद कुल टैक्सेबल इनकम 19,35,400 रुपये रहेगी, जिस पर 4,08,844 रुपये का टैक्स चुकाना पड़ेगा। इसका मतलब है कि सालाना टेक होम सैलरी 23,47,955.20 रुपये ही रह जाएगी।

यातायात नियमों की अनदेखी, तीन सवारी और बिना हेलमेट दौड़ रहे वाहन

भोपाल। शहर में यातायात नियमों की अनदेखी अब आम बात होती जा रही है। मुख्य सड़कों से लेकर कॉलोनियों तक दोपहिया वाहनों पर तीन-तीन लोग सवार होकर बिना हेलमेट फर्राटे भरते नजर आ रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि कई स्थानों पर ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी के बावजूद नियमों का उल्लंघन धड़ल्ले से जारी है। लिंक रोड नंबर-1, होशंगाबाद रोड, अयोध्या बायपास, एमपी नगर, छोला रोड और पुराने शहर के कई इलाकों में सुबह और शाम के समय यह नजारा आम हो चुका है। युवा वर्ग ही नहीं, बल्कि परिवार के साथ छोटे बच्चों को बीच में बैठाकर तीन सवारी चलते वाहन साफ देखे जा सकते हैं। इनमें से अधिकांश लोगों ने हेलमेट तक नहीं पहन रखा होता, जिससे

किसी भी दुर्घटना की स्थिति में गंभीर हादसे की आशंका बनी रहती है। विशेषज्ञों का कहना है कि दोपहिया वाहन पर तीन सवारी चलना न केवल गैरकानूनी है, बल्कि संतुलन बिगड़ने की वजह से दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। बिना हेलमेट वाहन चलाने से सिर में गंभीर चोट लगने की संभावना रहती है, जो कई बार जानलेवा साबित होती है। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि समय-समय पर चालानी कार्रवाई तो होती है, लेकिन वह केवल औपचारिकता बनकर रह जाती है। लगातार सख्ती और जागरुकता अभियान की कमी के कारण लोग नियमों को हल्के में ले रहे हैं। कई अभिभावक खुद नियम तोड़ते नजर आते हैं, जिससे बच्चों में भी गलत संदेश जा रहा है। शहर में बढ़ती दुर्घटनाओं के बीच यह सवाल उठता है कि आखिर कब तक यातायात नियमों की अनदेखी यूं ही चलती रहेगी? जरूरत है कि ट्रैफिक पुलिस नियमित अभियान चलाकर तीन सवारी और बिना हेलमेट चलने वालों पर सख्त कार्रवाई करे।

ड्रग्स और शराब के अवैध कारोबार के हर दिन सामने आ रहे मामले

बेखौफ अपराधी, पकड़े जा रहे फिर भी बढ़ता जा रहा अपराध

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

'ज्यों-ज्यों दवा की, मर्ज बढ़ता गया', इस तरह का हाल प्रदेश में अपराधों को रोकने का है। इसके तीन उदाहरण देखें- एक ड्रग माफिया को नेस्तनाबूद करने की बात, गौ-तस्करी रोकने और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टालरेंस का दावा। भोपाल के स्लाटर में हाउस में गायें काटे जाने का मामला आया। राजनीति भी गरमाई। इसके बाद भी हाल यह कि प्रतिदिन प्रदेश में कहीं न कहीं गायों को अवैध तरीके से ले जाते हुए ट्रक पकड़ा जा रहा है।

भोपाल में एमडी ड्रग बनाने की फैक्ट्री दो वर्ष पहले पकड़ी गई थी, तब भी पुलिस ने दूसरे राज्यों से मध्य प्रदेश तक पहुंचने वाली एमडी ड्रग और उसे बनाने की सामग्री को प्रदेश में आने से रोकने के लिए सख्त निगरानी की बात कही थी। आरोपितों को पकड़ा भी गया था। इसके बाद हर दूसरे-तीसरे दिन में कोई नशीला पदार्थ बनाने और बेचने वाला संगठित गिरोह पकड़ा जा रहा है।

ड्रग बनाने का कारखाना पकड़ा गया : हाल ही में राजगढ़, अशोकनगर और इंदौर के महू में एमडी ड्रग बनाने का कारखाना पकड़ा

गया। गांजा तस्करों ने प्रदेश तक गांजा पहुंचाने के लिए डंकी रूट बना लिए हैं, आंध्र प्रदेश से प्रदेश के भीतरी हिस्सों तक गांजा पहुंच रहा है। भ्रष्टाचार की बात करें तो हर दिन औसतन एक आरोपित रंगे हाथ रिश्वत लेते पकड़े जा रहा है। इससे साफ है कि अपराधियों को कोई डर नहीं है। वे अपराध भी कर रहे हैं और डरा भी रहे हैं। पुलिस पर हमले भी कर चुके हैं। पुलिस के एक सेवानिवृत अधिकारी कहते हैं कि खुफिया तंत्र फेल है। भोपाल में एमडी ड्रग बनाने का कारखाना दो वर्ष से भी अधिक समय से बंद फैक्ट्री में चल रहा था, पर यहां कि पुलिस को पता नहीं चला। गुजरात की पुलिस ने आकर पकड़ा। गोवंश एवं पशु तस्करी की बात करें तो एक से सात फरवरी के बीच सिवनी, छतरपुर सहित सात जिलों में 141 गोवंश को मुक्त कराया गया। सिवनी में दो अलग-अलग ट्रक में ले जाए जा रहे 66 गोवंश को पुलिस ने मुक्त कराया। इस तरह से पुलिस ने झाबुआ, मुरैना, अशोकनगर, इंदौर ग्रामीण, ग्वालियर, कटनी, दतिया, और जबलपुर में मिलाकर हजारों पेटी शराब जब्त की।

यहां से आरोपी पकड़े

नीमच में 11 फरवरी को कपास की आड़ में अफीम की खेती पकड़ी गई। 11 हजार 600 नग हरे पौधे जब्त किए गए। उसी दिन राजगढ़ में पुलिस ने 21 किलोग्राम एमडी ड्रग्स जब्त की। इसके पहले राजगढ़ में ही सात फरवरी को एमडी ड्रग्स बनाने में उपयोग होने वाला 266 किलोग्राम केमिकल जब्त किया।

चल रही ढिलाई

अपराध जिस तरह से बढ़ गया है, वह सामान्य स्थिति, कानून, कार्यशैली और क्षमता से नियंत्रण में नहीं आने वाला, क्योंकि शुरू से नियंत्रित नहीं किया। इसके लिए विशेष प्रयास करने होंगे। इसमें सबसे अहम इंटेलिजेंस होगा। प्रदेश में 15-20 वर्ष से ढिलाई चल रही, जिससे क्रिमिनल हावी हो गए हैं। सरकार सही में जनता को राहत देना चाहती है तो पूरी ताकत लगानी होगी।

अब स्कूलों में लगेंगे केंद्र

शून्य या कम बच्चों वाली आंगनवाड़ियां होंगी शिफ्ट

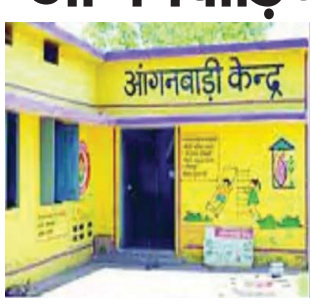

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग उन आंगनवाड़ी केंद्रों पर सख्ती कदम उठाने जा रहा है, जो कागजों में तो संचालित हैं, लेकिन वहां न तो बच्चे पहुंच रहे हैं और न ही गर्भवती व धात्री महिलाएं लाभ ले रही हैं। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद राज्य सरकार ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को आंगनवाड़ी केंद्रों के युक्तियुक्तकरण (रैशनलाइजेशन) की प्रक्रिया तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

महिला एवं बाल विकास संचालनालय द्वारा जारी पत्र के अनुसार, ऐसे केंद्रों की पहचान की जा रही है, जहां लाभार्थियों की संख्या शून्य या अत्यंत कम है अथवा जो महीने भर में एक भी दिन संचालित नहीं हुए। ऐसे केंद्रों को बंद नहीं किया जाएगा, बल्कि उन क्षेत्रों या दूरस्थ बस्तियों में स्थानांतरित किया जाएगा। वहीं, केंद्र सरकार ने आंगनवाड़ी के रिक्त पदों को शीघ्र भरने के निर्देश भी दिए हैं। हालांकि, पत्र जारी हुए एक माह बीत चुका है, पर प्रक्रिया अभी पूर्ण नहीं हो सकी है। आयुक्त निधि निवेदिता ने बताया कि कार्यवाही प्रगति पर है। तय समय-सीमा में इसे पूर्ण करने का प्रयास किया जा रहा है।

'को-लोकेशन' व्यवस्था

अब आंगनवाड़ी केंद्रों को निकटवर्ती शासकीय प्राथमिक विद्यालयों के परिसरों में संचालित किया जाएगा। इस 'को-लोकेशन' व्यवस्था से बच्चों को आंगनवाड़ी से सीधे स्कूल शिक्षा में जोड़ना आसान होगा, साथ ही भवन और अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी प्रभावी उपयोग हो सकेगा। भारत सरकार ने इस पूरी प्रक्रिया के लिए सख्त समय-सीमा निर्धारित की है। परियोजना स्तर पर दो हफ्ते व जिला स्तर पर एक हफ्ते में सत्यापन कार्य पूर्ण करना अनिवार्य किया है।

अब घर बैठे वीडियो केवाईसी के जरिए रजिस्टर्ड कराएं दस्तावेज

राजधानी में आज से लागू हुई नई व्यवस्था

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के पंजीयन मुख्यालय के बेसमेंट से अब पूरे प्रदेश के लिए साइबर सब-रजिस्ट्रार रजिस्ट्री करेंगे। सरकार द्वारा नोटिफिकेशन जारी करने के बाद तीन साइबर सब-रजिस्ट्रार तैनात कर दिए गए हैं। 16 फरवरी से यह नई व्यवस्था लागू की जाएगी। प्रॉपर्टी की सेल डीड को फिलहाल इस व्यवस्था से बाहर रखा गया है, जबकि उससे जुड़े 75 प्रकार के दस्तावेज फेसलेस तरीके से रजिस्टर्ड किए जाएंगे। अभी इसे वैकल्पिक रखा गया है, लेकिन कुछ समय बाद अनिवार्य किया जाएगा।

प्रदेश के रजिस्ट्री कार्यालयों में कुल 141 प्रकार के दस्तावेज पंजीकृत होते हैं। पहले चरण में 75 दस्तावेज ऑनलाइन किए जा रहे हैं। इससे स्थानीय दफ्तरों में भीड़ कम होगी और प्रॉपर्टी रजिस्ट्री कराने वालों को कम इंतजार करना पड़ेगा। प्रॉपर्टी लेनदेन बढ़ने के कारण संपदा-2 पोर्टल में बड़े बदलाव किए हैं। आधार लिंक प्रक्रिया लागू होने के बाद प्रॉपर्टी धोखाधड़ी में 90त्न तक कमी आने का दावा किया गया है। भोपाल में तीन महिला साइबर सब-रजिस्ट्रारों की पोस्टिंग हो चुकी है। लीज, लीज नवीनीकरण, किरायानामा, पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट, प्रदेश से बाहर नौकरी करने वालों से जुड़े दस्तावेज वीडियो केवाईसी के माध्यम से रजिस्टर्ड हो सकेंगे। 6 फेसलेस डिजिटलाइजेशन 6 पूरी तरह पेपरलेस दस्तावेज तैयार करना 6 आधार आधारित ई-KYC वेरिफिकेशन 6 कभी भी, कहीं से भी सेवाएं ले पाएंगे।

वन विभाग में बनी 'लीगल सेल'

भोपाल। वन विभाग ने अदालतों में लंबित मामलों की निगरानी और समय पर जवाब सुनिश्चित करने के लिए मुख्यालय स्तर पर 'लीगल सेल' बनाने का आदेश जारी किया है। यह सेल भोपाल स्थित वन भवन में 15 फरवरी 2026 से काम शुरू करेगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक (पीसीसीएफ) एवं हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स कार्यालय के आदेश में कहा गया है कि कई मामलों में समय पर जवाब दाखिल नहीं हुए या अधिकारी सुनवाई में अनुपस्थित रहे, जिससे विभाग की छवि प्रभावित हुई और अदालत में पक्ष प्रभावी ढंग से नहीं रखा जा सका। मुख्यालय स्तर पर सतत निगरानी तंत्र के अभाव को दूर करने के लिए यह निर्णय लिया गया।

संग्रहालय को जीवित रखने के लिये नवाचार करते रहना जरूरी है - शशांक

दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में कार्यक्रम का आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के राज सदन में संग्रहालय के संस्थापक राजुरकर राज की तृतीय पुण्यतिथि के अवसर पर संग्रहालय के अध्यक्ष रामराव वामनकर द्वारा लिखी पुस्तक एक कम साठ राजुरकर राज पर चर्चा की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता दूरदर्शन के पूर्व अपर महानिदेशक शशांक जी ने की। मुख्य अतिथि थे वरिष्ठ साहित्यकार गोकुल सोनी। वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश पटवा और वीके श्रीवास्तव ने एक कम साठ राजुरकर राज पर समीक्षात्मक टिप्पणी प्रस्तुत की।

इस अवसर पर विमल भंडारी,जया आर्य,जवाहर कर्नावट, आलोक त्यागी,महेश सक्सेना, बिहारी लाल सोनी अनुज, विमल कुमार शर्मा और सुभाष वाड़वुदे ने राजुरकर राज को याद करते हुए अपने संस्मरण सुनाये। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में शशांक जी ने कहा कि यह संग्रहालय एक जीवंत संस्थान है। राजूरकर राज के अथक प्रयासों और मेहनत ने इसे राष्ट्रीय - अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाया है। उन्होंने कहा कि संग्रहालय की

जीवंतता बनाए रखने के लिए जरूरी है कि यहां पर नवाचार किया जाए उन्होंने संग्रहालय की पत्रिका आसपास का जिक्र करते हुए कहा कि इसका पुनर्प्रकाशन करना भी जरूरी है इसके अलावा संग्रहालय में और भी विचारात्मक आयोजन किए जाने चाहिए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में गोकुल सोनी ने पुस्तक के अनेक संस्मरण सुनाते हुए इस पुस्तक के बारे में कहा कि यह राजुरकर राज के व्यक्तित्व - कृतित्व को लेकर एक ऐसी खुली किताब है जिससे राजुरकर के और उनके परिवार के बारे में जाना जा सकता है । इस अवसर पर वी के श्रीवास्तव ने अपनी समीक्षात्मक टिप्पणी में कहा कि यह किताब लिखना इतना आसान नहीं था क्योंकि किसी व्यक्ति के बारे में लिखने के लिए जितनी संवेदनशीलता चाहिए उतनी ही उसके बारे में गहराई से जानने की जिज्ञासा भी। सुरेश पटवा ने राजुरकरके गांव के सफ़र से लेकर अंतिम सफर तक की यादों को श्रोताओं के साथ साझा किया। इस अवसर पर राजूरकर राज के साथ आकाशवाणी में काम करने वाली जया आर्य ने उनके और राजुरकर के संबंधों पर प्रकाश डाला। जवाहर कर्णावत ने भी राजुरकर राज के व्यक्तित्व - कृतित्व के बारे में उल्लेखनीय जानकारियां दी। इसके अलावा बिहारी लाल सोनी अनुज, महेश सक्सेना, विमल शर्मा और आलोक त्यागी ने कई प्रसंग सुनाए। कार्यक्रम का संचालन घनश्याम मैथिल अमृत ने किया ।

मेट्रो एंकर

भोपाल से गुजरने वाली 9 ट्रेनों में ई-कैटरिंग सेवा

अब यात्रियों को अपनी सीट पर मिल जाएगा पसंदीदा भोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ट्रेन यात्रा अब केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने का साधन नहीं रह गई है, बल्कि यह स्वाद और सुविधा का नया अनुभव बन चुकी है। भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (IRCTC) की ई-कैटरिंग सेवा ने ऑनबोर्ड खानपान व्यवस्था को पूरी तरह बदल दिया है। अब भोपाल से गुजरने वाली 9 प्रमुख मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के यात्रियों को भी यह सुविधा मिल रही है, जिससे वे अपनी सीट पर बैठे-बैठे मनपसंद भोजन ऑर्डर कर सकते हैं।

ऐप और हेल्पलाइन से बुक करें मनचाही भोजन सामग्री

पहले लंबी दूरी की यात्रा के दौरान यात्रियों को ट्रेन के तयशुदा खाने या स्टेशन के सीमित विकल्पों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट, 'फूड ऑन ट्रैक' मोबाइल ऐप या 1323 हेल्पलाइन के माध्यम से पीएनआर नंबर दर्ज कर अधिकृत रेस्टोरेंट और लोकप्रिय ब्रांड्स से भोजन बुक कर सकते हैं। ऑर्डर किया गया भोजन निर्धारित स्टेशन पर सीधे सीट तक पहुंचाया जाता है, जिससे भीड़भाड़ और असुविधा से राहत मिलती है।

सरल शिकायत निवारण व रिफंड की सुविधा

आईआरसीटीसी ने शिकायत निवारण की व्यवस्था भी सरल बनाई है। यदि भोजन गलत पहुंचे या देरी हो, तो यात्री 1323 हेल्पलाइन, मोबाइल ऐप या व्हाट्सएप नंबर 8750001323 पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं। जांच के बाद आवश्यक होने पर रिफंड भी दिया जाता है।

इन 9 प्रमुख ट्रेनों में उपलब्ध है ई-कैटरिंग सेवा

भोपाल से गुजरने वाली जिन ट्रेनों में यह सुविधा उपलब्ध है, उनमें कर्नाटका संपर्क क्रांति एक्सप्रेस, छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, मंगलाद्वीप एक्सप्रेस, गोवा वास्को एक्सप्रेस, पुष्पक एक्सप्रेस, ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस, एपी एक्सप्रेस, मालवा एक्सप्रेस और अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस शामिल हैं।

FSSAI लाइसेंस और ओटीपी सिस्टम

रेलवे आईआरसीटीसी के पीआरओ एके सिंह ने बताया कि ई-कैटरिंग में यात्रियों की सेहत का पूरा ध्यान रखा जाता है। सभी वेंडर्स के पास एफएसएसएआई लाइसेंस होता है और सफाई का पालन किया जाता है। नियमित जांच करते हैं, ताकि खाना ताजा, सुरक्षित और समय पर पहुंचे। ओटीपी सिस्टम से खाना सीधे सीट तक दिया जाता है।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म केस पीड़िता की तबीयत बिगड़ी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भोपाल में 11वीं कक्षा में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों के अनुसार, छात्रा मानसिक रूप से परेशान है और डॉक्टरों की सलाह पर उसे चार दिन तक अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। रविवार को उसकी हालत में सुधार के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया।

मामले की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम कर रही है। एसआईटी प्रमुख अंकिता खातरकर ने बताया कि एक आरोपी को न्यायालय से रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ के दौरान आरोपी मोबाइल फोन के संबंध में स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहा है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने मोबाइल को लेकर अलग-अलग स्थानों पर खोने या नष्ट करने की बातें कही हैं। मोबाइल फोन की बरामदगी के प्रयास जारी हैं।

एसआईटी प्रमुख का कहना है कि फिलहाल छात्रा का बयान दर्ज नहीं हो सका है। उसकी सेहत सामान्य होने के बाद बयान दर्ज किए जाएंगे। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने चार वाहन जब्त किए हैं, जिनमें एक थार वाहन भी शामिल है। पुलिस का कहना है कि थार से एक धारदार हथियार बरामद हुआ है, जिसके आधार पर आर्म्स एक्ट की धाराएं भी जोड़ी गई हैं।

मप्र विधानसभा का बजट आज से शुरू, 18 फरवरी पर टिकी जनता की निगाहें

एमपी के बच्चों के मिड डे मील में मुफ्त दूध, मेडिकल कॉलेजों में कैंसर-हार्ट का इलाज मिलने की उम्मीद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र सोमवार से शुरू हो गया है और सबकी निगाहें 18 फरवरी पर टिकी हैं, जब वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा राज्य का 2026-27 का बजट पेश करेंगे। यह डॉ. मोहन यादव सरकार का तीसरा बजट होगा और इसमें एक साल बाद होने वाले पंचायत और निकाय चुनावों की स्पष्ट झलक दिखने की पूरी संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, इस बार का बजट सिर्फ एक साल का लेखा-जोखा नहीं, बल्कि भविष्य की एक विस्तृत वित्तीय योजना होगी, जिसमें पूंजीगत व्यय बढ़ाने, इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती देने और राजकोषीय अनुशासन बनाए रखने पर जोर दिया गया है। राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 10 प्रतिशत की औसत वार्षिक वृद्धि दर हुई है। इसे देखते हुए, यह अनुमान लगाया जा रहा है कि

वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए वार्षिक बजट का आकार 4.65 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है। इस बजट में सरकार का फोकस स्वास्थ्य, पोषण, किसान, युवा और इंफ्रास्ट्रक्चर पर केंद्रित रहने की उम्मीद है।

बजट में करीब 1.40 करोड़ बच्चों को मिड डे मील में टेट्रा पैक दूध देने से लेकर, किसानों की आय बढ़ाने के लिए हर जिले में फूड प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने और सीएम केयर योजना के तहत मेडिकल कॉलेजों में कैंसर और हार्ट जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज की सुविधा देने जैसी बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं।

किसानों के लिए: सिंचाई से लेकर भावांतर तक

किसानों को साधने के लिए बजट में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं होने की उम्मीद है।

सिंचाई: सिंचाई क्षमता को साढ़े सात लाख हेक्टेयर बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए सिंचाई बजट को 17,214 करोड़ से बढ़ाकर 19-20 हजार करोड़ रुपये किया जा सकता है। राजगढ़ की सुल्तानपुर और बरेली की बारना जैसी नई सिंचाई परियोजनाओं के लिए 715 करोड़ का प्रावधान किया जा सकता है।

भावांतर और जैविक खेती: सोयाबीन के साथ अन्य नकदी फसलों पर भी भावांतर योजना की घोषणा हो सकती है। जैविक खेती करने वाले किसानों को शुरुआती नुकसान की भरपाई के लिए प्रोत्साहन राशि और जैविक उत्पादों के लिए विशेष मंडियां विकसित करने की भी घोषणा की जा सकती है।

विंड्स कार्यक्रम: फसल बीमा योजना को और प्रभावी बनाने के लिए वेदर इंफॉर्मेशन नेटवर्क एंड डाटा सिस्टम कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए 434 करोड़ रुपये का प्रावधान किया जा सकता है, जिससे मौसम के सटीक आंकड़े उपलब्ध होंगे।

एमपी बोर्ड ने बढ़ाया शिक्षकों का काम

अब जांचनी होंगी दोगुनी कॉपियां, मोबाइल ऐप से दर्ज होगी अनिवार्य उपस्थिति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश बोर्ड परीक्षाएं शुरू होते ही उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। पहला चरण 22 फरवरी से प्रारंभ होगा, जिसमें अंग्रेजी, भौतिक विज्ञान, इतिहास, कृषि और विज्ञान विषयों की कॉपियां जांची जाएंगी। दूसरा चरण तीन मार्च से शुरू किया जाएगा।

शिक्षकों पर बढ़ा काम का दबाव

इस वर्ष मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों का कार्यभार बढ़ा दिया गया है। पहले प्रतिदिन 30 उत्तरपुस्तिकाएं जांचने का लक्ष्य था, जबकि अब 45 से 60 कॉपियां प्रतिदिन जांचने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों का कहना है कि इससे मूल्यांकन प्रक्रिया तेज होगी और परिणाम जल्द घोषित किए जा सकेंगे।

निर्देशों के अनुसार हाईस्कूल की एक कॉपी जांचने पर 15 रुपये और हायर सेकेंडरी की कॉपी पर 16 रुपये दिए जाएंगे। मुख्यालय से बाहर आने वाले शिक्षकों को 180 रुपये वाहन भत्ता तथा स्थानीय शिक्षकों को 130 रुपये भत्ता मिलेगा।

डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू- इस बार मूल्यांकन कार्य में डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू की गई है। शिक्षकों को कार्य शुरू करने से पहले मोबाइल ऐप पर उपस्थिति दर्ज करनी होगी। बिना उपस्थिति दर्ज किए कॉपी जांचने की अनुमति नहीं मिलेगी। प्रतिदिन जांची गई उत्तर पुस्तिकाओं का रिकॉर्ड ऐप और रजिस्टर दोनों में अपडेट करना अनिवार्य रहेगा। निरीक्षण दल ऐप आधारित डाटा से केंद्रों की निगरानी करेगा।

नियम उल्लंघन पर होगी कार्रवाई

इंदौर में रात 10 बजे के बाद लाउडस्पीकर बजाने पर बैन

इंदौर। जिले में आगामी आयोजनों और वैवाहिक कार्यक्रमों में रात्रि दस बजे बाद लाउडस्पीकर बजाना प्रतिबंधित रहेगा। नियमों को उल्लंघन करने पर संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी। मैरिज गार्डन और अन्य वैवाहिक स्थलों के संचालकों को भी इस नियम का पालन करना होगा। संचालको को आयोजन से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा और आदेश की प्रति कार्यक्रम स्थल पर प्रदर्शित करनी होगी।

मीटिंग के बाद लिया गया फैसला

आसपास के रहवासियों को असुविधा भी नहीं होना चाहिए। जिला प्रशासन द्वारा ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण को लेकर शनिवार को मैरिज गार्डन, मैरिज हाल और अन्य वैवाहिक स्थलों के संचालकों के साथ बैठक आयोजित की गई। अपर कलेक्टर रोशन राय ने ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग संबंधी जारी प्रतिबंधात्मक आदेश की जानकारी दी। साथ ही निर्देश दिए कि निर्धारित समयावधि के बाहर लाउडस्पीकर या डीजे का उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। रात्रि 10 बजे के बाद ध्वनि उपकरणों का संचालन, विशेष अनुमति के बिना, नहीं किया जा सकेगा। ध्वनि स्तर तय मानकों से अधिक पाए जाने पर संबंधित संचालक के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रिटायर्ड आईएएस नियाज खान को सोशल मीडिया पर गालियां

खान ने एक्स पर लिखा- ब्राह्मणों के नाम पर फर्जी आईडी बनाकर दी जा रही गाली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

रिटायर्ड आईएएस और नॉवेलिस्ट नियाज खान को एक्स और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्राह्मणों के नाम पर बनाई गई फर्जी आईडी के जरिये गाली दी जा रही है। खान ने इसे एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा है कि ऐसे लोगों को ब्लॉक कर रहे हैं क्योंकि ब्राह्मण अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं करेगा। एक अन्य ट्वीट में खान ने अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप को भी घेरा है जिसका खुलासा एपस्टीन फाइलों में हुआ है। नियाज खान ने वेलेंटाइड डे पर किए गए ट्वीट में एक्स पर लिखा है कि

मुझे गाली देने के लिए अन्य वर्णों के लोगों ने ब्राह्मण के नाम से फर्जी ढ्ढष्ठ बना ली है। हर ब्राह्मण मेरा भाई है तो वह अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं करेगा। ऐसे लोगों को मैं ब्लॉक करके तमाचा मारता हूं। हजार दोस्त से अच्छा एक ब्राह्मण काफी है। भगवान ब्रह्मा का प्रिय पुत्र है ब्राह्मण।

अर्ध नग्न वस्त्र ब्राह्मणों के लिए कदापि नहीं

एक अन्य ट्वीट में अपनी पुस्तक ब्राह्मण द ग्रेट का कवर अपलोड करते हुए नियाज खान ने लिखा है कि मैंने इस नोवल में स्पष्ट लिखा है कि भौतिकवाद का मोह ब्राह्मणों के लिए घातक है। शिखा, जनेऊ, धोती और तिलक ब्राह्मण की शान है। बिना शर्म के इन्हें धारण करें। यह ब्राह्मणों की शक्ति है। अर्ध नग्न वस्त्र ब्राह्मणों के लिए कदापि नहीं है। शिखा तो आपकी पहचान ही है।

जबलपुर में 4,800 बोतल प्रतिबंधित कफ सीरप जब्त

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

क्राइम ब्रांच व थाना माढ़ोताल थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर कटंगी रोड स्थित टाटा शोरूम के पास 40 कार्टून में भरी 4,800 बॉटल कफ सीरप (कोडीन) जब्त की है। इसका उपयोग नशे के लिए किया जाता है। पुलिस ने मामले में एक आरोपित को हिरासत में लेकर मेडिकल संचालक व डीलर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। दरअसल क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि कटंगी रोड स्थित वीआरएल ट्रांसपोर्ट में बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित कफ सीरप रखी हुई हैं। इस जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच की टीम ने माढ़ोताल पुलिस और खाद्य एवं औषधि प्रशासन की टीम के साथ मौके पर दबिश दी, जहां 40 काटूनों में भरा कफ सीरप पाया गया। ट्रांसपोर्ट कर्मचारियों ने बताया कि ये पेटियां उत्तराखंड के देहरादून से हिमांशु झा नामक व्यक्ति ने भेजी थीं। इनकी डिलीवरी दमोह जिले के जबेरा थाना क्षेत्र स्थित गुबरा के मेसर्स सचिन मेडिकोज में की जानी थी। उन्होंने सचिन मेडिकोज में मोबाइल पर बात भी की। सचिन ने 16 फरवरी को उक्त कार्टून रिसीव करने को कहा था। कार्रवाई में एक दिन की भी देरी हो जाती तो संभव है कि प्रशासन व पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगता।

हमारा मिशन - ईज़ ऑफ लिविंग

घर बैठे होगा प्रॉपर्टी के दस्तावेजों का डिजिटल पंजीयन

संपदा 2.0

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

साइबर पंजीयन कार्यालय भोपाल

का

शुभारंभ

मुख्यमंत्री

डॉ. मोहन यादव

द्वारा

16 फरवरी, 2026 । अपराह्न 3:00 बजे । पंजीयन भवन, भोपाल

D-11208/25

त्वरित सत्यापन
- विशेष रूप से प्रशिक्षित 'साइबर उप-पंजीयकों' द्वारा त्वरित सत्यापन।

पूर्ण पारदर्शिता
- नागरिक सुविधा हेतु सुरक्षित डिजिटल ईकोसिस्टम।

75+ दस्तावेज
- अब किसी भी जिले के मुख्तारनामा, लीज डीड, पार्टनरशिप और सह-स्वामित्व जैसे 75 से अधिक दस्तावेजों का 'साइबर पंजीयन कार्यालय भोपाल' से पंजीयन।

समय की बचत
- बिना उप-पंजीयक कार्यालय आए, पारदर्शी और सुरक्षित पंजीयन।
- जटिल प्रक्रियाओं से मुक्ति, तुरंत डिजिटल दस्तावेज।

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

पकिस्तान की नाकामी

संयुक्त राष्ट्र से पाकिस्तान को हाल में जो दोहरा झटका लगा है, वह सिर्फ उसकी कूटनीतिक असफलता नहीं, बल्कि उसकी वर्षों पुरानी नीति पर भी गहरा प्रश्नचिन्ह है। एक ओर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की रिपोर्ट में पाकिस्तान में पनप रहे आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की भूमिका को स्पष्ट रूप से उजागर किया गया है, वहीं दूसरी ओर बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकी संगठन घोषित कराने की उसकी कोशिश नाकाम रही है। यह घटनाक्रम बताता है कि अब दुनिया पाकिस्तान के दोहरे चरित्र को गंभीरता से परखने लगी है।

बलूचिस्तान में दशकों से चल रहा अलगाववादी आंदोलन आज वहां की सबसे बड़ी त्रासदी बन चुका है। प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न इस प्रांत के लोग लंबे समय से विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार की मांग कर रहे हैं, लेकिन उन्हें बदले में सिर्फ उपेक्षा, दमन और सैन्य कार्रवाई ही मिली है। हजारों बलूच युवाओं का लापता होना किसी एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे मानव समाज की चिंता का विषय है। हाल के वर्षों में जिस तरह हिंसा बढ़ी है और आत्मघाती हमलों में महिलाओं की भागीदारी सामने आई है, वह बताती है कि असंतोष अब चरम सीमा पर पहुंच चुका है। इस बीच इस्लामाबाद में इमामबारगाह पर हुआ आत्मघाती हमला पाकिस्तान की आंतरिक अस्थिरता का एक और भयावह उदाहरण है। इस हमले में शिया समुदाय को निशाना बनाया गया, जो वहां की सांप्रदायिक संवेदनशीलता को और गहरा करता है।

दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हर बड़ी घटना के बाद पाकिस्तान बिना किसी ठोस आधार के भारत पर आरोप लगाने लगता है। यह उसकी उस मानसिकता को दर्शाता है, जिसमें आत्ममंथन के बजाय दोषारोपण को आसान रास्ता समझा जाता है। एक स्थानीय अखबार के संपादक के रूप में हमारा मानना है कि पाकिस्तान को अपनी नीतियों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। आतंकवाद को शह देने और अलगाववादी आंदोलनों को सैन्य बल से दबाने की नीति ने उसे कहीं का नहीं छोड़ा। अमेरिका और चीन जैसे देशों का संरक्षण उसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर थोड़ी राहत जरूर देता है, लेकिन इससे उसकी आंतरिक समस्याएं हल नहीं हो सकतीं। आज जरूरत है कि पाकिस्तान अपने नागरिकों की जायज मांगों को सुने, संवाद का रास्ता अपनाए और आतंकवाद के खिलाफ ईमानदार कार्रवाई करे। यदि वह समय रहते नहीं संभला, तो उसकी यह दोहरी नीति देश को भीतर से और कमजोर कर देगी। इतिहास गवाह है कि जो देश अपने ही लोगों की आवाज दबाते हैं, वे अंततः खुद ही टूट जाते हैं।

भारत के सामरिक और खुफिया इतिहास में बदलाव अब परदेस में भी आतंकियों पर सीधे प्रहार

आलोक मेहता
वरिष्ठ पत्रकार

भारत के सामरिक और खुफिया इतिहास में एक दिलचस्प बदलाव पिछले एक दशक में देखा गया है। पहले जहाँ जासूसी और आतंकवाद-रोधी कार्रवाइयाँ केवल फाइलों और बंद कमरों तक सीमित मानी जाती थीं, वहीं अब वे साहित्य, फिल्मों और सार्वजनिक बहस का विषय बन रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में अनिरुध्य मित्रा की स्पाई-फिक्शन किताब The Delhi Directive: Once You're Marked, There's No Escape चर्चा में आई है।

न्यूयॉर्क की संघीय अदालत में अब भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता ने अमेरिकी नागरिक और खालिस्तान समर्थक नेता गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कथित साजिश से जुड़े आरोपों को स्वीकार किया। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार उन्होंने हत्या के लिए सुपारी दी और गुप्ता ने साजिश और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोपों में दोष स्वीकार किया। सरकारी दस्तावेज़ों के अनुसार गुप्ता पर आरोप था कि उन्होंने एक 'हिटमैन' को भुगतान करने की कोशिश की, जो वास्तव में अमेरिकी एजेंसियों का अंडरकवर अधिकारी निकला। अमेरिकी अभियोजकों का दावा है कि यह योजना एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के निर्देश पर चल रही थी – यह दावा अदालत के दस्तावेज़ों में दर्ज है। अदालत से सजा मई 2026 में तय होगी। यह मामला इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यहाँ पहली बार अदालत में आरोपी ने साजिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है। हालांकि, किसी भी राज्य की आधिकारिक भूमिका पर अंतिम निर्णय कानूनी प्रक्रिया और साक्ष्यों के आधार पर ही तय होगा। जबकि भारत सरकार ने अमेरिका या कनाडा में उसके द्वारा ऐसे किसी भी प्रयास के आरोप गलत बताए हैं। इसके ठीक उलट, कनाडा में खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मामले में स्थिति अधिक दिलचस्प और पेंचीदी है। कनाडाई प्रधानमंत्री ट्रुडो ने 2023 में संसद में कहा था कि उनके पास भारतीय एजेंटों से जुड़ी जानकारियां हैं। लेकिन भारत ने आधिकारिक तौर पर इन आरोपों को बकवास बताते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया। भारत सरकार का स्पष्ट रुख रहा। कनाडा ने कोई ठोस साक्ष्य साझा नहीं किया। भारत का कहना है कि वहां भारत विरोधी आतंकवादी तत्वों को शरण दी जा रही है। कनाडा में सत्ता बदलने और अन्तर्राष्ट्रीय स्थितियां देखकर कनाडा सरकार ने हाल के महीनों में विदेश मंत्री एस जयशंकर और सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल के साथ वार्ताओं में आतंकियों से निपटने में सहयोग का विश्वास दिलाया है।

जहाँ अमेरिका में अदालत की प्रक्रिया चल रही है और स्वीकारोक्ति सामने आई है, वहीं कनाडा मामले में अभी भी जांच और कूटनीतिक वार्ताएं जारी है। यहीं से फिक्शन और वास्तविकता का दिलचस्प अंतर सामने आता है। इसी पृष्ठभूमि में अनिरुध्य मित्रा की स्पाई-फिक्शन किताब The Delhi Directive: Once You're Marked, There's No Escape चर्चा में है। हाल ही में नामी खोजी पत्रकार और फिल्म प्रोड्यूसर निदेशक अनिरुध्य मित्रा की किताब दिल्ली डायरेक्टिव (The Delhi Directive) जैसे उपन्यास एक संपूर्ण कथा देते हैं – मिशन कौन चलाता है, आदेश कहाँ से आता है, ऑपरेशन कैसे अंजाम दिया जाता है। कहानी का नायक विदेशी धरती पर एक मिशन में दिखाई देता है, जहाँ देशभक्ति, नैतिक दुविधा और शक्ति-राजनीति के बीच संघर्ष चलता है। सवाल यह है – क्या यह केवल कल्पना है? या क्या यह उस नई सोच का साहित्यिक प्रतिबिंब है, जिसमें भारत अब आतंकवाद को अपनी सीमाओं से बाहर जाकर चुनौती देने की बात कर रहा है? पाठक को पूरी कहानी मिल जाती है।सरकारें सार्वजनिक रूप से स्वीकार नहीं करतीं। अदालतें वर्षों तक सुनवाई करती हैं। सच्चाई अक्सर दस्तावेज़ों और राजनयिक बयानों के बीच फँस जाती है। इसलिए जासूसी फिक्शन पाठकों को 'पूरी तस्वीर' की झलक देता है, जबकि असलियत में तस्वीर रिकार्ड्स में दर्ज रहती है। दशकों के अनुभवी पत्रकार लेखक अनिरुध्य मित्रा ने पहले राजीव गांधी हत्या कांड पर सम्पूर्ण खोजपूर्ण विवरण निकाल एक किताब लिखी - 90 डेज। इस पर एक धारावाहिक द हंट भी ओटीटी पर आ गया। फिर उत्तर प्रदेश के पूर्व महा निदेशक प्रशांत कुमार के अनुभवों को दिलचस्प ढंग से इंफोर्सेर किताब के जरिये माफियाओं के एनकाउंटर्स की असली बातें लिख दीं। इस बार रॉ के गोपनीय ऑपेरशन को उपन्यास के रूप में लिख दिया। सही मायने में यह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह तथा जेम्स बांड कहे जाने वाले पूर्व भारतीय गुप्तचर सेवा प्रमुख और अब सुरक्षा सलाहकार अजित डोवाल की नई रणनीति पाकिस्तान सहित दुनिया में कहीं भी जरुरत पड़ने पर आतंकियों और उनके आकाओं को निपटाने को दर्शाता है। यही नहीं हाल ही में विवादों में आई जनरल नरवणे की घोषित अघोषित सी किताब के ऑफिसियल सीक्रेट एक्ट के कठोर कानून के उल्लंघन करने वालों के लिए भी सबक है। सेना या रॉ के ऑपरेशंस सरकार की अनुमति के बिना लिखे , बताए नहीं जा सकते। इस अपराध के सिद्ध होने पर दस साल तक की सजा संभव है।

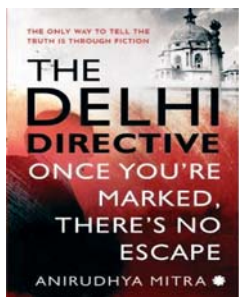

अब सिनेमा भी उस दुनिया को सामने ला रहा है जिसे कभी सिर्फ खुफिया हलकों में ही समझा जाता था। हाल की चर्चित फिल्म धुरंधर इसका बड़ा उदाहरण है – एक ऐसी स्पाई-थ्रिलर जिसमें पाकिस्तान में सक्रिय आतंक नेटवर्क, भारतीय खुफिया एजेंट और सीमा पार ऑपरेशन जैसी थीम खुलकर सामने आती है। फिल्म का कथानक एक भारतीय अंडरकवर एजेंट पर आधारित है जो पाकिस्तान के आपराधिक और आतंकी नेटवर्क में घुसपैठ करता है। फिल्म बड़े पैमाने पर सफल हुई और अनिरुध्य की दिल्ली डायरेक्टिव बेस्ट सेलर की श्रेणी में आ गई। अमेज़ॉन पर ही सैंकड़ों प्रतियां बिक गई।

खुफिया एजेंसियों की दुनिया हमेशा रहस्य और अस्पष्टता से ढकी रही है। लेकिन समय-समय पर पूर्व अधिकारियों की किताबें इस दुनिया की झलक देती रही हैं। भारत में पूर्व रॉ प्रमुख विक्रम सूद और पूर्व ए एस दुलत की किताबें इसी परंपरा का हिस्सा हैं – जहाँ अनुभव, नीति और रणनीतिक सोच का वर्णन मिलता है, न कि किसी गुप्त ऑपरेशन का सीधा खुलासा। दूसरी ओर आज की स्पाई-फिक्शन किताबें – जैसे The Delhi Directive – ऐसी दुनिया दिखाती हैं जहाँ राज्य सीमाओं के बाहर भी अपने दुश्मनों तक पहुँचने की क्षमता रखता है। और यहीं से वह बड़ा सवाल उठता है जो आज वैश्विक राजनीति में सुनाई देने लगा है । क्या भारत भी अब अप्रत्यक्ष रूप से यह संकेत दे रहा है कि आतंकवादियों को दुनिया के किसी भी हिस्से में निशाना बनाया जा सकता है?

शीत युद्ध के दौर में सी आई ए ,के जी बी , एम् आई - 5 जैसी गुप्तचर एजेंसियों की कई कार्रवाइयाँ बाद में दस्तावेज़ों, संसदीय जांचों या संस्मरणों में सामने आईं। सी आई ए के कई गुप्त आपरेशन समय सीमा के बाद में सार्वजानिक होने पर दस्तावेज़ों के जरिए स्वीकार किए गए। के जी बी के ऑपरेशन सोवियत संघ के पतन के बाद इतिहास का हिस्सा बने। ब्रिटेन में संसदीय निगरानी के कारण कई ऐतिहासिक ऑपरेशन सार्वजनिक चर्चा में आए। लेकिन यह स्वीकारोक्ति हमेशा वर्षों बाद हुई – जब ऑपरेशन इतिहास बन चुका था। भारत लंबे समय तक 'रणनीतिक संयम' की नीति पर चलता रहा। परंतु पिछले दशक में यह धारणा मजबूत हुई कि आतंकवाद की योजना अगर विदेश से बने, तो खतरा सीमाओं से बाहर भी माना जाएगा। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में यह सोच नई नहीं है – अमेरिका, रूस, इज़राइल जैसे देश पहले से ऐसी नीतियों पर बहस झेलते रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि अब भारत भी इसी वैश्विक विमर्श का हिस्सा बन गया है। भारत के पूर्व खुफिया अधिकारियों ने जब भी किताबें लिखीं, वे अधिकतर संस्मरण थीं – नीति, अनुभव और सीमाओं की चर्चा करती हुई। उनमें ऑपरेशन का रोमांच कम और संस्थागत जानकारियां ज्यादा होती हैं। विक्रम सूद और ए. एस. दुलत जैसे अधिकारी अपने अनुभवों में संस्थागत संयम बरता। फिर भी आई एस आई प्रमुख के साथ की किताब विवाद का विषय भी बनी। आज की दुनिया में फिक्शन तेजी से आगे है – वह कहानी तुरंत कह देता है, जिसे इतिहास शायद दशकों बाद बताएगा। फिक्शन कभी-कभी उस रणनीतिक संदेश को शब्द दे देता है, जो सरकारें खुलकर नहीं कहतीं।भारत की रणनीतिक भाषा बदल रही है या नहीं – इसका अंतिम उत्तर इतिहास और दस्तावेज़ ही देंगे।लेकिन इतना तय है कि आज जासूसी-कथा और वास्तविक राजनीति के बीच की दूरी पहले से बहुत कम हो गई है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

कोचिंग संस्कृति और बच्चों की मौतें सफलता के नाम पर असफल समाज

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

कोटा में एक और छात्रा की आत्महत्या–यह कोई साधारण खबर नहीं है और न ही किसी एक परिवार की निजी त्रासदी भर। यह उस शिक्षा व्यवस्था, सामाजिक मानसिकता और तथाकथित 'सफलता मॉडल' पर गहरा प्रश्नचिह्न है, जिसे हमने पिछले दो दशकों में बिना सवाल किए स्वीकार कर लिया है। आत्महत्या करने वाली छात्रा कृति का सुसाइड नोट केवल व्यक्तिगत पीड़ा का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि वह एक आरोपपत्र की तरह हमारे पूरे समाज के सामने खड़ा होता है–माता-पिता, कोचिंग संस्थान, स्कूल और नीति-निर्माता सभी इसके दायरे में आते हैं।

कृति ने अपने सुसाइड नोट में भारत सरकार और मानव संसाधन मंत्रालय से अपील की थी कि अगर वे सच में चाहते हैं कि कोई बच्चा न मरे, तो कोचिंग संस्थानों को जल्द से जल्द बंद कर देना चाहिए, क्योंकि ये संस्थान छात्रों को भीतर से खोखला कर देते हैं। यह कथन किसी क्षणिक आवेग का परिणाम नहीं था, बल्कि उस लंबे मानसिक उत्पीड़न की अभिव्यक्ति थी, जिसे आज लाखों छात्र रोज़ झेल रहे हैं। असली सवाल यह नहीं है कि कृति ने ऐसा क्यों लिखा, बल्कि यह है कि क्या वह ग़लत थी।

आज भारत में कोचिंग शिक्षा का सहायक माध्यम नहीं रह गई है, बल्कि एक विशाल और मुनाफ़े पर आधारित उद्योग बन चुकी है। कोटा, सीकर, हैदराबाद, दिल्ली और पटना जैसे शहर 'एजुकेशन हब' कहलाते हैं, जहाँ हर साल लाखों किशोर अपने माता-पिता के सपनों का बोझ उठाए पहुँचते हैं। इन सपनों के केंद्र में कुछ सीमित शब्द होते हैं–आईआईटी, एम्स, नीट, रैंक और सेलेक्शन। कोचिंग संस्थान बच्चों को यह यक़ीन दिलाते हैं कि यदि वे चयनित नहीं हुए, तो वे असफल हैं। सफलता की यह परिभाषा इतनी संकीर्ण है कि उसमें औसत छात्र के लिए कोई जगह नहीं बचती, और असफलता से उबरने की कोई मानवीय प्रक्रिया भी नहीं होती।

कृति का यह कथन कि '90+ अंक लाने वाली लड़की भी आत्महत्या कर सकती है' हमारे उस भ्रम को तोड़ता है, जिसमें हम यह मान लेते हैं कि मानसिक संकट केवल कमजोर या असफल छात्रों तक सीमित है। यह सोच न सिर्फ़ ग़लत है, बल्कि ख़तरनाक भी है। आज का दबाव केवल परीक्षा पास करने या अच्छे अंक लाने का नहीं रह गया है, बल्कि माता-पिता, शिक्षकों और समाज की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का बन गया है। हर बच्चा अपने भीतर एक काल्पनिक 'परफेक्ट स्टूडेंट' की छवि ढो रहा है, जिससे वह लगातार हारता चला जाता है। ऊँचे अंक और बेहतर प्रदर्शन भी अब मानसिक शांति की गारंटी नहीं रहे, क्योंकि समस्या पढ़ाई की नहीं, बल्कि उस माहौल की है जिसमें पढ़ाई कराई जा रही है।

कृति द्वारा अपनी माँ के लिए लिखी गई पंक्तियाँ इस पूरे संकट की जड़ को उजागर करती हैं। वह बताती है कि उसे विज्ञान पसंद करने के लिए मजबूर किया गया, जबकि उसकी वास्तविक रुचि अंग्रेज़ी साहित्य और इतिहास में थी। यह कहानी किसी एक घर तक सीमित नहीं है। यह देश के हज़ारों, बल्कि लाखों घरों की सच्चाई है, जहाँ बच्चे की रुचि से ज़्यादा समाज की अपेक्षा मायने रखती है। माता-पिता अक्सर यह भूल जाते हैं कि बच्चा उनकी अधूरी महत्वाकांक्षाओं का विस्तार नहीं है, बल्कि एक स्वतंत्र व्यक्तित्व है। सामाजिक तुलना–कि फलाँ का बेटा डॉक्टर बन गया या फलाँ की बेटी आईआईटी में पहुँच गई–हमें इतना अंधा कर देती है कि हम बच्चों की इच्छाओं, क्षमताओं और सीमाओं को अनदेखा कर देते हैं।

कृति ने अपनी छोटी बहन को लेकर जो चेतावनी दी, वह इस सुसाइड नोट को और भी मार्मिक बना देती है। वह चाहती है कि उसकी बहन को वही पढ़ने दिया जाए, जो वह पढ़ना चाहती है, और वही बनने दिया जाए, जो वह बनना चाहती है। यह विडंबना है कि मरते समय भी वह किसी और की ज़िंदगी बचाने की कोशिश कर रही थी। यह चेतावनी केवल एक माँ के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए है, जो बच्चों को सुनने के बजाय उन पर अपने सपने थोपता है। आज के स्कूल और कोचिंग संस्थान बच्चों को गणित के सूत्र, रसायन के समीकरण और प्रतियोगी परीक्षाओं की रणनीतियाँ तो सिखा रहे हैं, लेकिन जीवन के सबसे ज़रूरी पाठ सिखाने में पूरी तरह असफल हो रहे हैं। वे बच्चों को यह नहीं सिखा पा रहे कि असफलता से कैसे निपटना है, मानसिक तनाव को कैसे समझना है और मदद माँगना कमजोरी नहीं है। प्रतिस्पर्धा को प्रेरणा के बजाय भय का औज़ार बना दिया गया है। रैंक लिस्ट, मॉक टेस्ट और लगातार तुलना बच्चों के मन में स्थायी हीनभावना भर देती है, जिससे वे खुद को केवल अंकों और चयन के चश्मे से देखने लगते हैं।

कृति का सुसाइड नोट केवल एक छात्रा की अंतिम अभिव्यक्ति नहीं है, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी है। अगर अब भी हमने नहीं सुना, नहीं समझा और नहीं बदले, तो ऐसी घटनाएँ रुकने वाली नहीं हैं। सवाल यह नहीं है कि अगला बच्चा कौन होगा। असली सवाल यह है कि क्या हम अगले बच्चे को बचा पाएँगे।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ टिप्स

हेल्दी लाइफ के लिए समय निकालें, मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रखने में मिलेगी मदद

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ के अनुसार, मानसिक स्वास्थ का बेहतर होना क्वालिटी लाइफ और ओवर ऑल हेल्थ के लिए जरूरी है। हर व्यक्ति की भावनात्मक, सामाजिक और मानोवैज्ञानिक स्थिति उसके मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है। अगर आप मानसिक रोग से जूझ रहे हैं तो अपना खयाल रखें। इससे ट्रीटमेंट और रिकवरी आसान हो जाती है। अपना खयाल रखने का

मतलब उन चीजों के लिए समय निकालना जो हेल्दी लाइफ के लिए जरूरी हैं। जो आपकी फिजिकल और मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाती हैं। इससे स्ट्रेस को कंट्रोल करना, बीमारियों के जोखिम को कम करना और एनर्जी बनाए रखने में मदद मिलती है। डेली रूटीन में खुद की देखभाल के लिए की गई छोटी-छोटी कोशिशें भी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में कारगर साबित होती हैं।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ द्वारा मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने के लिए बताई गई आदतें- जैसे सुबह जल्दी उठना, कृतज्ञता व्यक्त करना, पॉजिटिव सोचना, एक्सरसाइज और मेडिटेशन करना, हेल्दी ब्रेकफास्ट करना, डे प्लान करना मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाती हैं। WHO के अनुसार, अच्छी मेंटल हेल्थ वो स्थिति है जो व्यक्ति को स्ट्रेस मैनेज करने, अपनी क्षमताओं को पहचानने, कुछ नया सीखने, अच्छा काम करने और अपने आसपास के लोगों के साथ जुड़ने, समाज में अपना योगदान देने में सक्षम बनाती है। ये हर व्यक्ति का बुनियादी अधिकार है। घर, ऑफिस या आसपास का माहौल सही न हो तो इसका असर व्यक्ति की मेंटल हेल्थ पर पड़ता है। ऐसी स्थिति में व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ने लगता है। मेंटल हेल्थ को समझना और सही इलाज करना बेहद जरूरी है। इससे व्यक्ति के जीवन में फिर से खुशी लौटाई जा सकती है।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ द्वारा मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने के उपाय बताए गए हैं। सुबह की ये 7 हेल्दी आदतें मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाती हैं- दिन की शुरुआत अच्छी हो इसलिए रात में जल्दी सोएं और सुबह जल्दी उठें। सुबह उठकर उन चीजों को याद करें जिनके लिए आप कृतज्ञ हैं। आप डायरी में इन बातों को लिख सकते हैं। ग्रेटिट्यूट से मन को शांति महसूस होती है। निगेटिव विचारों को पहचानें और उनसे दूर रहने के तरीके ढूंढें। इससे पूरा दिन अच्छा बीतता है। एक्सरसाइज से दिन की शुरुआत करें।

सुविचार

दुनिया आपके उदाहरण से बदलेगी, आपकी राय से नहीं।
–अज्ञात

यूजर्स गाइड

हैकर्स की नजर आपके 'बीमार' फोन पर, बैंक खाता खाली होने से पहले चेक करें इसकी सेटिंग्स

कम ही लोग जानते हैं कि उनका फोन भी बीमार हो सकता है। अगर फोन की जरूरी सुरक्षा सेटिंग्स ऑन न हों या फिर उन्हें चेक न किया जाए तो हैकर्स को आपका फोन एक बीमार शख्स जैसा ही लगता है। ऐसे फोन पर अटैक करना या उसमें घुस कर डेटा और बैंक बैलेंस उड़ा लेना, हैकर्स के लिए बाएं हाथ का खेल हो जाता है। ऐसे में जरूरी है कि आप तुरंत डिजिटल हेल्थ चेकअप करें। इस चेकअप में आप फोन की जरूरी 5 सेटिंग्स को चेक करके इस तरह से सेट करते हैं कि हैकर्स को आपका फोन एक तंदरुस्त इंसान सा लगता है और तमाम हैकर्स उससे बचने में ही समझदारी समझते हैं।

बता दें कि फोन का डिजिटल हेल्थ चेकअप एक तरह से आपकी डिजिटल लाइफ का भी चेकअप होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अगर आपके फोन पर साइबर अटैक होता है, तो नुकसान कुल मिलाकर आपका ही होना है। ऐसे में तुरंत ईमेल आईडी, अपने नाम पर जारी सिम, आधार बायोमैट्रिक, WhatsApp और फोन में छिपे APK से जुड़ी सेटिंग्स को चेक करके डिजिटल हेल्थ चेकअप को पूरा करें।

क्या है डिजिटल हेल्थ चेकअप: जिस तरह से हम लोग अपने शरीर की खामियों का पता लगाने के लिए हेल्थ चेकअप कराते हैं, वैसे ही डिजिटल हेल्थ चेकअप से हमें हमारे फोन और डिजिटल लाइफ की तमाम खामियों का पता चलता है। इन खामियों को सुधारा न जाए, तो हमारा फोन और डिजिटल लाइफ हैकर्स के अटैक का शिकार हो सकते हैं। ऐसे में डिजिटल हेल्थ चेकअप आपके डेटा और बैंक बैलेंस के नुकसान से आपको बचाता है।

आधार बायोमैट्रिक डेटा लॉक करें: कई फ्रॉड आधार के जरिए भी होते हैं और हैकर्स की नजर लोगों के आधार बायोमेट्रिक डेटा पर भी रहती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने आधार का बायोमेट्रिक डेटा लॉक कर दें। इसके लिए आपको नई आधार ऐप डाउनलोड करनी होगी। ऐप में लॉगइन करने के बाद होम पेज पर ही अपने आधार क्यूआर कोड के नीचे आपको Biometric Lock का ऑप्शन मिल जाएगा। वहां से आप अपने बायोमेट्रिक डेटा को लॉक कर पाएंगे।

डिजिटल हेल्थ चेकअप के चौथे स्टेज में जरूरी है कि आप अपने WhatsApp को सुरक्षित रखें। इसके लिए सबसे पहले 2 स्टेप वेरिफिकेशन को ऑन रखें। हमेशा WhatsApp को अपडेट रखें और अनजान नंबर से आने वाले मैसेज को चैट समेत डिलीट कर दें। साथ ही उन्हें रिपोर्ट भी करें। इसके अलावा Linked Devices पर जाकर देखें कि किसी अनजान डिवाइस से आपका WhatsApp लिंक तो नहीं है। ऐसा हो, तो अनजान डिवाइस को हटा दें। डिजिटल हेल्थ चेकअप के दूसरे स्टेज पर आपको चेक करना चाहिए कि आपके नाम पर कितने सिम एक्टिव हैं। आपके नाम पर जारी फेक सिम आपको कई तरह से नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस तरह के नंबर्स का इस्तेमाल देश विरोधी गतिविधियों में हो सकता है या फिर इनके जरिए आपके नाम पर कई तरह के फ्रॉड किए जा सकते हैं।

कनेक्टिविटी

मस्क का इंटरनेट अब एक करोड़ लोगों के पास, इस साल आ सकता है भारत

स्टारलिंक की सेवाएं इस साल भारत में भी शुरू हो सकती हैं। कंपनी को पिछले साल भारत सरकार से जरूरी मंजूरियां मिल गई थीं। एलन मस्क की सैटेलाइट इंटरनेट कंपनी स्टारलिंक को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। रिपोर्टों के अनुसार, स्टारलिंक को चलाने वाली स्पेसएक्स ने बताया है कि उसके पास अब 1 करोड़ से ज्यादा ग्राहक हैं। दिसंबर 2025 में स्टारलिंक के ग्राहकों की संख्या 90 लाख और नवंबर में 80 लाख थी। अब यह 1 करोड़ को पार कर गई है। 90 लाख ग्राहकों तक पहुंचने के बाद हर रोज करीब 19 हजार नए ग्राहक स्टारलिंक की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा को चुन रहे हैं। स्टारलिंक की सेवाएं इस साल भारत में भी शुरू हो सकती हैं। स्टारलिंक को अब भारत में ग्राउंड स्टेशन और अपना नेटवर्क स्थापित करना है, जिसके बाद यह सर्विस देश में भी शुरू हो जाएगी। शुरुआत में लिमिटेड लोगों को यह सुविधा दी जानी है। धीरे-धीरे इसका दायरा बढ़ाया जा सकता है। भारत के पड़ोसी देशों बांग्लादेश और श्रीलंका में स्टारलिंक की सर्विस उपलब्ध है, हालांकि पाकिस्तान में अभी तक स्टारलिंक को मंजूरी नहीं मिल पाई है।

स्टारलिंक अब सिर्फ अपनी किट के माध्यम से ही सैटेलाइट इंटरनेट नहीं दे रही, वह डायरेक्ट टु डिवाइस कम्युनिकेशन पर भी काम शुरू कर चुकी है। अमेरिका में टी-मोबाइल के साथ मिलकर कंपनी अंतरिक्ष से सीधे फोन में अपना नेटवर्क उपलब्ध करा रही है। कहा जाता है कि इससे आपात स्थिति में लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने में मदद मिलती है। स्टारलिंक की पैरंट कंपनी स्पेसएक्स के पास पृथ्वी की निचली कक्षा (LEO) में हजारों सैटेलाइट्स का बेड़ा है। यह पृथ्वी का चक्कर लगाते हुए अंतरिक्ष से धरती पर सिग्नल प्रसारित करते हैं। जिस किसी को भी स्टारलिंक का सैटेलाइट इंटरनेट इस्तेमाल करना होता है, उसे किट खरीदनी होती है। मुख्य किट एक छतरी नुमा होती है जिसे खुले आसमान में लगाया जाता है। उस पर अंतरिक्ष से सिग्नल मिलते हैं। वह सिग्नल तार के जरिए घर में लगे राउटर तक पहुंचते हैं और फिर मोबाइल पर वाईफाई के जरिए इंटरनेट चलाया जाता है।

स्टारलिंक पर लगते हैं आरोप: स्टारलिंक पर आरोप लगते हैं कि वह अपने नेटवर्क का गलत इस्तेमाल करती है। हाल ही में ईरान में देशव्यापी इंटरनेट शटडाउन के दौरान लोग वहां स्टारलिंक का इस्तेमाल करते हुए पकड़े गए थे। एलन मस्क ने भी ईरान के लोगों के लिए स्टारलिंक को फ्री कर दिया था।

निशाना

नित्य धोखे झेलना है...!

कान्ति शुक्ला

खो गई समवेदना है ।
नेह की अवहेलना है ।
है नहीं आश्वस्त कोई
छटपटाती चेतना है ।
लग रहा है काल आदिम
दानवी उत्तेजना है ।
अब मनुजता है निरुत्तर
मौन हो सब देखना है ।
है नहीं विश्वास निश्छल
नित्य धोखे झेलना है ।
है प्रदर्शन की ललक
कथ्य में अतिरंजना है ।
असि प्रखर की धार पर
चल रही मनकामना है ।
है किसे फुर्सत सुनेगा
इसलिए चुप वेदना है ।

भोजपुर महोत्सवः श्रद्धा, भक्ति और लोक संस्कृति का दिखा अद्भुत संगम

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

भोजेश्वर मंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर तीन दिवसीय महादेव भोजपुर महोत्सव का भव्य शुभारंभ रविवार को हुआ। मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन रायसेन के सहयोग से आयोजित इस प्रतिष्ठित सांस्कृतिक आयोजन में श्रद्धा, भक्ति और लोक संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा रहे। नगर परिषद मंडीदीप की अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका राजेन्द्र अग्रवाल, नगर परिषद औबेदुल्लागंज की अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी सोनू चौकसे, महंत पवन गिरी महाराज सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। पहले दिन सागर के ऋषि विश्वकर्मा एवं साथियों ने बुंदेली लोकगायन की मनमोहक प्रस्तुति दी, बधाई और बरेदी लोकनृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अंत में भजन गायक श्री लखबीर सिंह लक्खा ने अपने लोकप्रिय भजनों से पूरा परिसर शिवमय कर दिया। आज 16 फरवरी को सायं 6:30 बजे से लोकगायन, शिव महिमा नृत्य नाटिका एवं सुगम संगीत की प्रस्तुतियां होंगी।

न्यूज विंडो

हनुमान चालीसा पाठ कर युवाओं को धर्म से जोड़ने का लिया संकल्प

गंजबासौदा। हिंदू चेतना सेवा समिति मंडल द्वारा चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान एवं युवाओं को धर्म और आध्यात्म से जोड़ने के विशेष उपक्रम के अंतर्गत त्योंदा रोड स्थित श्री राम नाम बैंक में हनुमान चालीसा पाठ का 116वां चरण श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिंदू वीरों एवं श्री राम नाम बैंक के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सामूहिक रूप से सात बार हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिससे संपूर्ण परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो उठा। पाठ के पश्चात विधिवत आरती संपन्न कर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई। इस अवसर पर श्री राम नाम बैंक के संस्थापक रघुनाथ सिंह रघुवंशी ने समिति के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान भागदौड़ भरी जीवनशैली में युवाओं का धर्म और आध्यात्म के प्रति इस प्रकार समर्पित होना अत्यंत प्रेरणादायक है। उन्होंने समिति के अभियान को समाज में सकारात्मक चेतना जागृत करने वाला बताया। कार्यक्रम के अंत में श्री राम नाम बैंक के अध्यक्ष गिरिराज रघुवंशी ने समिति सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। समिति अध्यक्ष राकेश सिंह रघुवंशी ने जानकारी देते हुए बताया कि सभी सदस्यों के सहयोग और एकजुटता से यह अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है तथा आगामी समय में विभिन्न स्थानों पर हनुमान चालीसा पाठ के आयोजन किए जाएंगे। कार्यक्रम में मोहित तिवारी, लखन गुर्जर, लोकेश साहू, राजू सिंह दांगी, अर्णव रघुवंशी, मनोज चौबे, नरेंद्र राय, रवि रघुवंशी, विशाल सेन, महेंद्र पाल, लव गुर्जर, काशी साहू, निशिकांत माथुर, देवांश माथुर, सीताराम कुशवाह, रोहित नाथ, खिलान सिंह रघुवंशी, रामकृष्ण रघुवंशी एवं बहन नीतू चौबे सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे।

विधायक ने किया 1.13 लाख के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

सिरोंज। शहर के वार्ड 3 और 4 में होने वाले निर्माण कार्यों का भूमिपूजन और शिलान्यास किया। हाजीपुर स्कूल परिसर में हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने नपा क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी देते हुए कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के लिए हम संभव प्रयास कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने 1 करोड़ 13 लाख रूपए की लागत से होने वाले निर्माण कार्यों से जुड़ी जानकारी भी दी। उन्होने लोगों से उनकी समस्याओं से जुड़े आवेदन लेकर समस्या समाधान का आश्वासन भी दिया। कार्यक्रम में नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, उपाध्यक्ष मनोज साईंनाथ, पार्षद हरिचरण अहिरवार, सचिन शर्मा, तोषमणी पंथी और जयनारायण सेन के साथ ही अनेक लोग उपस्थित थे।

भोले बाबा के दरबार में गौवंश रक्षा के लिए दिया भावनात्मक पत्र

गंजबासौदा। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के गौसंरक्षण विभाग, मध्यभारत प्रांत द्वारा भगवान भोलेनाथ के नाम एक भावनात्मक पत्र देकर गौवंश संरक्षण की मांग उठाई गई। पत्र में गौमाता की वर्तमान स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए समाज और शासन से ठोस पहल की अपेक्षा जताई गई है। पत्र में उल्लेख किया गया कि भगवान शिव का वाहन नंदी तथा गौमाता भारतीय संस्कृति और आस्था के प्रतीक हैं, लेकिन वर्तमान समय में गौवंश उपेक्षित एवं असुरक्षित जीवन जीने को विवश है। गोवंश को पुनः सम्मानजनक स्थान दिलाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। संगठन ने मांग की कि गाय को राष्ट्रीय सांस्कृतिक धरोहर घोषित किया जाए तथा गोपाष्टमी को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मान्यता दी जाए। इसके साथ ही गौसंरक्षण के लिए कठोर और प्रभावी कानून लागू करने की भी अपेक्षा जताई गई। इसके साथ ही भगवान शिव से गौवंश की रक्षा और समाज में जागरूकता बढ़ाने की प्रार्थना की गई। कार्यक्रम के माध्यम से धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया गया।

शहडोल की घटनाः क्षेत्र में फैली सनसनी, पड़ताल जारी

नाले में मिला बोरे में बंद महिला का शव, हाथ पर बना है ॐ का टैटू

शहडोल। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के शहडोल जिले में बोरे में बंद एक महिला का शव नाले में मिलने से सनसनी फैल गई। शव को बोरे में पत्थर से बांधकर नाले में फेंका गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरु कर दी है। महिला के हाथ पर ॐ का टैटू बना हुआ है। फिलहाल महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है । पुलिस आसपास के थानों से महिला की गुमशुदगी की जानकारी जुटा रही है।

शहडोल जिले के सिंहपुर थाना क्षेत्र में दूधी मुड़ना गांव में नाले में बोरे में बंद महिला का शव मिलने से रविवार को सनसनी फैल गई। नाले में बोरे को देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और नाले से बोरे को बाहर निकाला। महिला के शव को बोरे में भरकर पत्थर से बांधकर नाले में फेंका गया था। जिससे मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि महिला के साथ पहले कोई गलत कृत्य किया गया और फिर उसकी हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से बोरे में बंद कर पत्थर बांधकर नाले में फेंका गया है।

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

शव के हाथ पर ॐ और डीआर के टैटू बने हुए हैं। फिलहाल मृत महिला की पहचान नहीं हो पाई है लेकिन पुलिस को महिला के हाथ पर बने ॐ और डीआर के टैटू से पहचान की एक उम्मीद है। पुलिस महिला की शिनाख्त करने के लिए आसपास के पुलिस थानों में दर्ज महिला की गुमशुदगी की जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है।

खेत की मेड़ पर मिला युवती का शव, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के जबलपुर जिले के सिमरिया गांव में रविवार को एक युवती का सिर कुचला शव मिलने से सनसनी फैल गई। युवती का शव एक खेत की मेड़ पर मिला है। उसका चेहरा बुरी तरह से क्षत विक्षत किया गया है जिससे शव की शिनाख्त करना मुश्किल हो रहा है। आशंका जताई जा रही है कि दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या की गई है। पुलिस आसपास के थानों से गुमशुदगी की जानकारी जुटाकर मृतका की शिनाख्त करने की कोशिश कर रही है।

सिमरिया गांव में नेशनल हाईवे से कुछ दूरी पर एक खेत की मेड़ पर जब ग्रामीणों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की, सिर कुचलकर युवती की हत्या की गई है और उसकी पहचान न हो सके इस कारण चेहरे को भी बुरी तरह से क्षत-विक्षत किया गया है। आशंका जताई जा रही है कि दुष्कर्म के बाद युवती की हत्या की गई है। पुलिस का कहना है कि एक मिसिंग लड़की की शिकायत हमारे पास है। उस लड़की की उम्र 17 साल की है। संभावना है कि ये वही लड़की है। कंप्लेंट करने वाले परिजनों को बुलाया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरु कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। शुरुआती जांच में पता चला है कि युवती आसपास के गांवों की नहीं है। इससे आशंका है कि हत्या कहीं और की गई है और शव को यहां लाकर फेंका गया है। पुलिस का कहना है कि फिलहाल मृतका की शिनाख्त नहीं हो सकी है। आसपास के थानों में गुमशुदगी की जानकारी खंगाली जा रही है। एफएसएल और फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट्स की टीम से भी घटनास्थल की जांच कराई गई है।

बिजली कनेक्शन काटने को लेकर हुआ विवाद पहुंचा थाने, कार्रवाई बनी मारपीट का कारण

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के अनूपपुर सिटी कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत पुलिस लाइन, बरबसपुर ग्राम पंचायत में बिजली कनेक्शन काटने की कार्रवाई उस समय हाई-वोल्टेज ड्रामा में बदल गई, जब मौके पर पहुंची विद्युत टीम और स्थानीय व्यक्ति के बीच तीखा विवाद हो गया। मामला अब सिर्फ झड़प तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पुलिस कार्रवाई और धाराओं को लेकर भी शहर में कानाफूसी तेज हो गई है।

सूत्रों के अनुसार, मोहन सिंह मरावी द्वारा अपने विद्युत मीटर का स्थायी वियोग कराने के लिए मध्य प्रदेश पूर्वी क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के ग्रामीण वितरण केंद्र, अनूपपुर में विधिवत आवेदन दिया गया था। इसी आवेदन के आधार पर विद्युत विभाग के कर्मचारी–गोपाल रजक और ज्ञानेंद्र मरावी–बकाया/विवादित कनेक्शन की जाँच और आवश्यक होने पर विच्छेदन की कार्रवाई के लिए पुलिस लाइन क्षेत्र पहुँचे थे। बताया जाता है कि जिस मीटर से कनेक्शन लिया गया था, उसी लाइन से संदीप सिंह द्वारा भी उपयोग किए जाने की बात सामने आई। टीम ने जब दस्तावेज़ और कनेक्शन की वैधता की जांच शुरू की, तभी माहौल गरमा गया।

प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि बहस कुछ ही मिनटों में तेज नोकझोंक में बदल गई। आरोप है कि कर्मचारियों को धक्का-मुक्की और मारपीट का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, स्थानीय पक्ष का कहना है कि कार्रवाई एकतरफा और बिना पर्याप्त सूचना के की जा रही थी। सच क्या है, यह जांच का विषय है, लेकिन घटना के बाद से दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। कानूनी जानकारों का कहना है कि यदि ड्यूटी पर तैनात लोक सेवकों के साथ मारपीट हुई है, तो भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराएँ बन सकती हैं। हालांकि विवाद का दूसरा पहलू भी सुर्खियों में है। चर्चा है कि बिना विद्युत विभाग की औपचारिक शिकायत/अनुमति के ही बिजली कर्मचारियों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई। इस कदम ने निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभागीय सूत्रों का कहना है कि ÷यदि टीम अधिकृत आदेश पर गई थी और स्थायी वियोग के आवेदन के अनुपालन में कार्रवाई कर रही थी, तो पहले दोनों पक्षों के बयान और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर समुचित धाराएँ तय होनी चाहिए थीं। घटना के बाद से पुलिस लाइन और आसपास के इलाकों में चर्चा गर्म है। सोशल मीडिया पर भी कई पोस्ट सामने आई हैं, जिनमें निष्पक्ष जाँच और ÷कानून सबके लिए बराबर÷ की मांग उठ रही है। कुछ लोग इसे प्रभाव और दबाव की राजनीति से जोड़कर देख रहे हैं, तो कुछ इसे प्रशासनिक समन्वय की कमी बता रहे हैं।

बैलगाड़ी पर निकले महाकाल

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

महाशिवरात्रि पर महादेव की बारात को लेकर बच्चों में ज्यादा उत्साह दिखाई दिया। मदनमोहन पथ और बोहरबाड़ी के मध्य प्राचीन कपिलेश्वर बाल शिव मंदिर से जुड़े बच्चों ने शिव की आकर्षक बारात निकाली। बारात में शिव की पालकी को 6 से 10 साल की आयु वाले बच्चों ने ही थाम रखा था। शिव-पार्वती और नंदी के वेश में भी बच्चे ही सजे थे। बारात बोहरबाड़ी से पटवा टोला, भूतेश्वर पथ और मदनमोहन पथ से होते हुए वापस मंदिर पहुंचकर समाप्त हुई। इस दौरान महिला मंडल की सदस्य महिलाएं पूरे समय बच्चों के साथ रहीं। इसी तरह हाजीपुर के घाटीपुरा में भी बच्चों ने ठेले को सजाकर शिव बारात निकाली। इस शिव बारात के आयोजक भी बच्चे ही थे। शिव, पार्वती और बाराती सभी बच्चे ही बने थे। प्राचीन नागेश्वर महादेव मंदिर में आयोजित तीन दिवसीय महाशिवरात्रि महोत्सव के अंतिम दिन महिला मंडल ने भी शिव बारात निकाली। बस स्टैंड स्थित जागेश्वर महादेव मंदिर से शुरू हुई इस बारात में शिव प्रतिमा को बैलगाड़ी में विराजित किया गया था। बाराती बनी महिलां मंगल गीत गाते हुए मंदिर तक पहुंची। इस अवसर पर महाप्रसादी का वितरण भी किया गया।

मेट्रो एंकर

बागेश्वरधाम पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने 305 बेटियों का विवाह कराया

गले लगकर रोने लगी दुल्हन, विदाई की रस्म में आया भावुक पल

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

बागेश्वर धाम में माहौल उस समय भावुक हो गया जब एक दुल्हन पंडित धीरेंद्र शास्त्री के गले लगकर रोने लगी। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने उन्हें बमुश्किल शांत कराया। बागेश्वरधाम में सामूहिक विवाह समारोह में यह नजारा दिखाई दिया। पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने यहां 305 बेटियों का विवाह कराया। कार्यक्रम में अनेक संतों के साथ कई देशों के राजदूत भी शामिल हुए। पंडित धीरेंद्र शास्त्री के गुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज भी नव दंपत्तियों को आशीर्वाद देने आए। उन्होंने कहा कि मैं अब धीरेंद्र शास्त्री की शादी में आऊंगा। बागेश्वर धाम में तीन दिवसीय सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया। महाशिवरात्रि के मौके पर दुल्हा दुल्हनों ने 7 फेरे लिए। इसके बाद विदाई की रस्म चालू हुई। बागेश्वर धाम के

पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने नव दंपत्तियों को आशीर्वाद दिया। विदाई के समय माहौल भावुक हो उठा। कई दुल्हनें पंडित धीरेंद्र शास्त्री के गले लगीं और रोने लगीं। बेटियों को रोता देख पंडित शास्त्री भी भावुक हो गए। कुछ दूल्हे भी उनके गले मिले। एक दूल्हा तो पंडित धीरेंद्र शास्त्री का आशीर्वाद लेने उनके पैरों में गिर गया।

पंडित धीरेंद्र शास्त्री की शादी में आऊंगा

कार्यक्रम में स्वामी रामभद्राचार्य महाराज भी आए। उन्होंने कहा कि इस बार मैं 305 बेटियों की शादी में आया हूं। अब पंडित धीरेंद्र शास्त्री की शादी में यहां आऊंगा। जगदुरु स्वामी रामभद्राचार्य महाराज ने बताया कि वे 29 जून से 13 जनवरी तक एकांतवास में रहेंगे। कार्यक्रम में अनिरुद्धाचार्य, हनुमान गढ़ी के राजूदास महाराज, इंद्रेश उपाध्याय भी शामिल हुए।

शिव बारात: शाही स्वरूप में निकले भोलेनाथ सजी झांकियां, कलाकारों ने दिखाए करतब

सागर। दोपहर मेट्रो

महाशिवरात्रि के पर्व पर समूचा नगर बम बम भोले के जयघोष से गुंजायमान रहा। शहर के अलग-अलग स्थानों से 8 से ज्यादा भव्य शिव बरातें निकलीं। डीजे की धुन, सजीव झांकियों और अखाड़ों के करतबों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। चंपाबाग लक्ष्मीपुरा की शिव बरात शाही स्वरूप में निकली। बाबा की 51 किलो वजनी अष्टधातु प्रतिमा के साथ निकली। तीनबत्ती पर आतिशबाजी और आकर्षक विद्युत साज सज्जा ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। बारातों में इस बार बैंड-बाजे नहीं, डीजे की धुन पर थिरके शिवभक्त।

महाशिवरात्रि पर भक्ति का अद्भुत संगम दिखा, जहां एक ही दिन में आठ से ज्यादा शिव बारात शहर के अलग-अलग हिस्सों से निकलीं। डीजे की धुन, झांकियां, रथ और पारंपरिक वेशभूषा में सजे श्रद्धालु झूमते निकले। पुरानी गल्ला मंडी स्थित श्री देव मार्कंडेश्वर मंदिर, कांच मंदिर मछरयाई, धनेश्वर मंदिर बड़ा बाजार, चकराघाट, पशुपतिनाथ मंदिर स्टेट बैंक कॉलोनी तिली, चंपाबाग हनुमान मंदिर लक्ष्मीपुरा, सिंधी कॉलोनी क्षेत्र से शिव बरातें निकलीं। प्रमुख मार्गों से होते हुए भूतेश्वर, नागेश्वर, महाकाली, मृत्युंजय महादेव, राम दरबार मकरोनिया मंदिरों पर पहुंचीं, जहां पुष्पवर्षा और आरती से स्वागत हुआ। बरातों में भगवान शिव-पार्वती की सजीव झांकियां, नंदी पर विराजमान शिव परिवार, भूत-प्रेत गणों की झलक, आकर्षक रथ और लाइटिंग आकर्षण रहे। कई स्थानों पर अखाड़ों ने हैरतअंगेज करतब दिखाए।

बारातों के निकलते ही साफ की सड़कें

शहर में विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक आयोजनों के जुलूस व चलसमारोह निकलने के बाद सड़के पहले की तरह साफ-स्वच्छ रहे और नागरिकों को स्वच्छता अपनाने की प्रेरणा मिले इस उद्देश्य से स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत निगमायुक्त राजकुमार खत्री द्वारा किया गया. नवाचार सफाई मित्रों और शहर के लिए एक परम्परा बन चुका है। नगर निगम द्वारा वर्ष 2024-25 से स्वच्छता की गागर, अपनों सागर अभियान के रूप में जुलूस और चल समारोहों के निकलने के तुरंत बाद 1 घंटे में सड़कों की सफाई हेतु प्रारम्भ की गईं सकारात्मक पहल अनवरत चली आ रही है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत रविवार को भी नगरनिगम सफाई मित्रों ने शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में शिव बारातों के साथ पीछे-पीछे चलकर एक घंटे में सड़कों को चकाचक साफ किया।

न्यूज विंडो

छल-कपट से धर्म परिवर्तन नागरिक अधिकारों का हनन-प्रियंक कानूनगो

औबेदुल्लागंज। देश में बढ़ते जनसंख्या असंतुलन और भौगोलिक परिवर्तनों के बीच आज राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग के सदस्य प्रियंक कानूनगो औबेदुल्लागंज ब्लॉक के अगरिया गांव पहुंचे। यहां उन्होंने आदिवासी समाज के बीच पहुंचकर उनसे संवाद किया और धर्मांतरण जैसे गंभीर विषय पर उन्हें जागरूक किया। पत्रकारों से चर्चा के दौरान कानूनगो ने बताया कि क्षेत्र में जादू-टोने के आधार पर और लोगों को बरगलाकर या छल-कपट से धर्म परिवर्तन कराने की शिकायतें मिल रही थीं। ग्रामीणों से बातचीत में इन गतिविधियों की पुष्टि हुई है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि किसी भी व्यक्ति की धार्मिक और व्यक्तिगत पहचान उसका मूलभूत मानवाधिकार है। यदि किसी के साथ छल करके उसकी आस्था बदली जाती है, तो यह उसके नागरिक अधिकारों का सीधा हनन है। कानूनगो ने प्रशासन को सख्त निर्देश दिए हैं कि मैजिकल रेमेडीज एक्ट के अंतर्गत ऐसी गतिविधियों पर तत्काल वैधानिक कार्यवाही की जाए। साथ ही उन्होंने लोगों को समझाइश दी कि वे किसी भी तरह के बहकावे में न आएं। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिक अधिकारों से जुड़ी अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए भी उचित निर्देश दिए।

कान्हा टाइगर रिजर्व में एक घायल नर तेंदुए की इलाज के दौरान मौत

मंडला। जिले के कान्हा टाइगर रिजर्व में एक घायल नर तेंदुए की इलाज के दौरान मौत हो गई। तेंदुआ सरही परिक्षेत्र के दलदला बीट कक्ष क्रमांक 729, एनीकट नाला (बेंदीवारे दलदला वनमार्ग) पर घायल अवस्था में पाया गया था। वनकर्मियों ने तत्काल इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। इसके बाद कान्हा टाइगर रिजर्व भुआ बिछिया और स्कूल ऑफ वाइल्ड लाइफ फोरेंसिक एंड हेल्थ जबलपुर के पशु चिकित्सकों की एक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने त्वरित बचाव अभियान चलाकर तेंदुए का इलाज किया। इलाज के बाद उसे रेस्क्यू वाहन से मुक्की अस्पताल ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जांच में तेंदुए के सभी अंग सुरक्षित पाए गए और प्रथम दृष्टया उसकी मौत स्वाभाविक प्रतीत हुई। निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया का पालन करते हुए तेंदुए का अंतिम संस्कार किया गया।

तेल पाउच से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर पलटा, पाउच लूटने मची होड़

मंडला। जिले के बिछिया थाना क्षेत्र में बिछिया-डिंडोरी मार्ग पर ग्राम घुटास के पास तेल पाउच से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। यह घटना रविवार शाम को हुई। हादसे के बाद बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। पलटे हुए ट्रक से तेल के पाउच उठाने की उनमें होड़ मच गई, जिससे लूट जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। जानकारी के अनुसार ट्रक में तेल के पाउचों के लगभग 250 कार्टून लदे थे। सूचना मिलते ही डायल 112 और बिछिया पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने लोगों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया और तेल पाउच की लूट को रोका, इसके बाद हालात सामान्य हुए।

सीधी में तनाव: महाशिवरात्रि के दिन दिया था वारदात को अंजाम, लोगों का फूटा गुस्सा

धारदार हथियार से पुजारी की निर्मम हत्या करने वाला आरोपी गिरफ्तार, मीट की शॉप सील की

सीधी। दोपहर मेट्रो

प्रदेश के सीधी जिले के कुसमी इलाके में रविवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर पूजा करके लौट रहे हनुमान मंदिर के पुजारी की बेरहमी से हत्या करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जा रहा है कि, 75 वर्षीय पुजारी इंद्रभान द्विवेदी की हत्या उस वक्त की गई है जब वो मंदिर से पूजा कर लौट रहे थे। घटना के बाद से ही इलाके में तनाव के हालात हैं। आक्रोशित भीड़ की मांग पर पुलिस ने पकड़े गए आरोपी की मुर्गा-मीट शॉप के साथ साथ घर को सील कर दिया गया है। फिलहाल, आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

बताया जा रहा है कि गत दिवस हत्या की सनसनीखेज वारदात उस समय घटी, जब करीब 9 बजे रोज की तरह पूजा-अर्चना कर पुजारी इंद्रभान द्विवेदी अपने घर लौट रहे थे।

वहीं, हत्या के आरोप में पकड़े गए आरोपी का नाम कामता प्रसाद उर्फ लाला केवट बताया जा रहा है। आरोपी सड़क पर मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए और पुजारी की गर्दन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इसपर पुजारी सड़क पर गिर पड़े। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो आरोपी भी यहीं तक नहीं रुके। जमीन पर पड़े पुजारी के सीने पर एकके बाद एक कई वार किए, जिससे पुजारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक के भतीजे धीरेस कुमार द्विवेदी ने बताया कि, उनके चाचा बेहद शांत स्वभाव के थे और किसी से कोई दुश्मनी नहीं रखते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि, आरोपी ने अचानक हमला किया। वहीं, अधिवक्ता राजेंद्र तिवारी ने दावा किया कि, आरोपी समाज विशेष के प्रति बैर रखता था। हालांकि हत्या की असली वजह जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी। घटना के बाद परिजन और ग्रामीण न्याय की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए। ग्रामीणों ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने के साथ उसका घर तोड़ने की मांग की। ग्रामीणों का कहना था कि मांग पूरी नहीं होने तक आंदोलन जारी रहेगा। कुछ ग्रामीणों ने अनशन भी शुरू कर दिया था, जिससे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया।

घर व दुकान को किया सील

आंदोलनकारियों की मांग पर स्थानीय प्रशासन ने आरोपी कामता प्रसाद केवट की कुसमी तहसील मार्ग स्थित मीट-मुर्गा की दुकान के साथ-साथ घर को भी सील कर दिया है। इसके बाद ग्रामीणों ने आंदोलन और अनशन समाप्त कर दिया। घटना के बाद पूरे कुसमी क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और हत्या के पीछे के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

छावनी में तब्दील रहा कुसमी

हत्या की सनसनीखेज वारदात के बाद कुसमी में लोगों का बढ़ता आक्रोश एवं आंदोलन प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया। यहां कुसमी थाना के अलावा मड़वास, मझौली, पुलिस चौकी पोड़ी सहित भुईमाड़ थाना की पुलिस तैनात रही।

जांच के बाद होगा खुलासा

मामले की जांच में जुटे कुसमी थाना प्रभारी अरूणा द्विवेदी का कहना है कि, आरोपी के विरूद्ध हत्या का मामला दर्ज कर हिरासत में लिया गया है, और पूछताछ की जा रही है। अभी हत्या की असली वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। जांच के बाद ही असली कारण स्पष्ट हो पाएगा।

एक हजार पुराने प्राचीन मंदिर में विष्णु मूर्ति खंडित करने से फैली सनसनी, दो को पकड़ा

विदिशा। दोपहर मेट्रो

जिले के अंतर्गत आने वाले थाना दीपनाखेड़ा पुलिस ने ग्राम गोपाल नगर स्थित 1000 साल के प्राचीन विष्णु मंदिर में प्रतिमा खंडित करने की सनसनीखेज घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम राकेश कहार उर्फ बबलू इंदौरी और वहीं दूसरे आरोपी का नाम दीपक परोचे बताया जा रहा है। दोनों आरोपी प्रदेश के भोपाल शहर के निशातपुरा इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं। दरअसल, ये हैरान करन देने वाला मामला विदिशा जिले के दीपना खेड़ा थाने का है। फिलहाल, मंदिर में घुसकर मूर्ति खंडित करने का स्पष्ट कारण तो पता नहीं चल सका है, लेकिन शुरुआती पूछताछ में

दोनों आरोपियों ने कबूल किया है कि, वो सोने की मूर्ति चोरी करने की नीयत से मंदिर में घुसे थे। इस मामले में 360 डिग्री दृष्टि अभियान के सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस को अहम सुराग मिला। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, हेलमेट और लोहे की रॉड भी जप्त की गई है। मामले की जानकारी देते हुए सिरोंज एसडीओपी सोनू डाबर ने बताया कि, पुलिस ने पकड़े गए दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया, जहां से आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस कस्टडी में युवक की मौत का मामला

आक्रोशित परिजन बोले- आरक्षकों को सस्पेंड नहीं, हत्या का प्रकरण दर्ज करें

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

राजनगर थाने में पुलिस कस्टडी में 30 साल के राजेश पटेल की कथित तौर पर फंदा लगाकर आत्महत्या के मामले ने तूल पकड़ लिया है। रविवार को मृतक के परिजन सैकड़ों लोगों के साथ राजनगर थाना पहुंचे और चक्काजाम कर प्रर्दशन किया। इस दौरान परिजनों की पुलिस से तीखी बहस हुई। पुलिस के समझाने के बाद भी परिजन प्रदर्शन करते रहे। परिजनों का कहना है कि पुलिस दोहरा चरित्र अपना रही है। आरक्षकों द्वारा मारपीट करने से राजेश की मौत हुई है। इनके द्वारा 50 हजार रुपए की मांग की गई थी। पुलिस विभाग ने केवल उन्हें सस्पेंड किया है, उन्हें रिमांड पर नहीं लिया गया है। परिजनों का कहना है कि दोनों आरक्षकों पर हत्या का मामला दर्ज किया जाए। परिवार के अनुसार, राजेश पर कोई एफआईआर दर्ज नहीं थी। जिन पुलिसकर्मियों ने उसे पकड़ा, उनमें से एक ड्यूटी पर भी नहीं था। थाना परिसर को सील कर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। विदित हो कि शनिवार की शाम 5 बजे राजनगर थाने के महिला सेल के

छोड़ने के लिए मांगे गए 50 हजार रुपए

मृतक के चाचा बाबूलाल पटेल ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 10 बजे सिविल ड्रेस में आए आरक्षक संजय सिंह कुमावत तथा शिवकुमार पाल ने राजेश को मोटरसाइकिल से थाने ले गए थे। परिजन थाने पहुंचे तो युवक के साथ मारपीट करते देखा। आरक्षकों ने एक लाख रुपये की मांग की, जिसमें 50 हजार पर बात बनी। पैसे लेकर पहुंचने पर भी पुलिस ने राशि लेने से इनकार कर दिया।

वॉशरूम में राजेश का शव फंदे पर लटकते मिला था। करीब 10 बजे दो पुलिसकर्मी, संजय कुमावत और शिवकुमार पाल, राजेश को घर से थाने ले गए थे। शव उस कमरे के वॉशरूम में मिला था, जहां महिलाओं और बच्चों की सुनवाई होती है। घटना की सूचना मिलते ही एसपी अगम जैन सहित मजिस्ट्रेट मौके पर पहुंचे थे। एफएसएल टीम ने जांच शुरू कर दी है। फिर दोनों आरक्षकों को सस्पेंड कर दिया गया है। एसपी अगम जैन ने जानकारी दी कि मामले की जांच मजिस्ट्रेट कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर **भगोरिया का शंखनाद: गंगा महादेव की पहाड़ी से आदिवासी लोकपर्व की विधिवत शुरुआत**

घाटी पर गूंजी कुर्राहट, मादल-बांसुरी की थाप पर झूमे वनवासी

धार। दोपहर मेट्रो

आदिवासी अंचल के सबसे रंगीन लोकपर्व भगोरिया का आगाज रविवार को धार जिला मुख्यालय से करीब 15 किमी दूर स्थित प्राचीन गंगा महादेव मंदिर की पहाड़ी से पूरे विधि-विधान और परंपरागत शंखनाद के साथ हुआ। घाटी में जैसे ही वनग्रामों से आए मादल (डोल) दलों की कुर्राहट गूंजी, पूरा इलाका उस्तव मय हो उठा। परंपरा अनुसार 60 किलो से अधिक वजनी मादल को कंधे पर रखकर कलाकारों ने मैदान का चक्कर लगाया। यह दृश्य किसी आश्चर्य से कम नहीं था- कंधे पर भारी डोल, ताल पर थिरकते कदम और बांसुरी की मधुर धुन। दोपहर 4 बजे के बाद मादल दलों का रंग ऐसा चढ़ा कि घाटी देर शाम तक थाप और उल्लास से गूंजती रही। गंगा महादेव की पहाड़ी से शुरू हुआ यह शंखनाद अब आने वाले दिनों में

पूरे अंचल के गांव-गांव तक भगोरिया की धूम पहुंचाएगा।

पहाड़ी और मंदिर परिसर में एक दिवसीय मेले का आयोजन हुआ। सैकड़ों श्रद्धालुओं और ग्रामीणों ने व्यंजनों, झूले-चक्री और खरीदारी का आनंद लिया। बच्चों के लिए मिकी माउस, खिलौनों की दुकानें, वहीं युवाओं के लिए जूस और स्ट्रीट फूड आकर्षण का केंद्र रहे। शिवरात्रि के अवसर पर हुए उत्सव में जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल हुए। क्षेत्रीय विधायक प्रताप ग्रेवाल ने मेले में पहुंचकर स्वयं मादल बजाया। वहीं अमझेरा थाना प्रभारी राजू मकवाना ने कंधे पर मादल रखकर बांसुरी की धुन पर डोल बजाया, जिसे देख उपस्थित जनसमूह ने तालियों से उत्साह बढ़ाया। ग्राम पंचायत सुल्तानपुर के सरपंच मोहन बामनिया, कृष्णा रघुवंशी, सचिव बहादुर सिंह, भाजपा नेता दिलीप रघुवंशी, पूर्व सरपंच दरयाव सिंह सहित अन्य गणमान्य जनों ने मादल दलों का सम्मान किया। घाटी में गूंजती कुर्राहट, कंधों पर थिरकता 60 किलो का डोल और बांसुरी की तान-गंगा महादेव की पहाड़ी से निकला यह शंखनाद साफ संकेत है कि भगोरिया अब पूरे अंचल में रंग, राग और रिश्तों की मिठास घोलने को तैयार है।

टी20 विश्व कप सूर्या सेना के आगे पाक का सरेंडर

शीर्ष क्रम फेल, मिडिल ऑर्डर बेहाल, दबाव में ढहा पाक, भारतीय गेंदबाजों का रहा दबदबा

कोलंबो, एजेंसी

टी20 विश्व कप 2026 में कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में भारत के खिलाफ पाकिस्तान की पारी पूरी तरह बिखरी हुई नजर आई। 176 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गया और उसे 61 रन की करारी हार झेलनी पड़ी। स्कोरकार्ड और मैच के हालात देखें तो साफ दिखता है कि यह सिर्फ हार नहीं, बल्कि दबाव में पूरी तरह टूट जाने वाली पारी थी।

पाकिस्तान की हार की नींव पहले छह ओवरों में ही पड़ गई थी। टीम ने पावरप्ले के अंदर चार विकेट गंवा दिए, जो टी20 विश्व कप में दूसरी बार हुआ जब पाकिस्तान ने शुरुआती छह ओवरों में चार विकेट खोए। टॉप-3 बल्लेबाजों का कुल योग सिर्फ 10 रन रहा, जो टी20 विश्व कप में उनका सबसे खराब प्रदर्शन है और भारत के खिलाफ भी सबसे कम। पहले ओवर में ही साहिबजादा फरहान खाता खोले बिना हार्दिक पांड्या का शिकार बने। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने अपने पहले ही ओवर में सईम अयूब (6) और कप्तान सलमान अली आगा (4) को पवेलियन भेजकर पाकिस्तान की कमर तोड़ दी। बाबर आजम भी 5 रन बनाकर अक्षर पटेल की गेंद पर बोल्ड हो गए। 4.5 ओवर में स्कोर 34/4 था और मैच लगभग भारत की पकड़ में आ चुका था।

स्पिन की चर्चा, लेकिन कहर बरपाया पेस ने

मैच से पहले चर्चा थी कि स्पिन गेंदबाजी अहम भूमिका निभाएगी, लेकिन भारत ने शुरुआत से ही तेज गेंदबाजों पर भरोसा किया। पाकिस्तान के शुरुआती तीन विकेट पूरी तरह पेस अटैक ने झटके। आंकड़े बताते हैं कि पावरप्ले में अच्छी लेंथ (6-8 मीटर) और शॉर्ट गेंदों पर पाकिस्तान के बल्लेबाज सबसे ज्यादा संघर्ष करते दिखे। भारतीय गेंदबाजों ने लगातार सही एरिया में गेंदबाजी कर बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। ईशान के आउट होते ही रनगति धीमी पड़ गई। नवाज और उस्मान तारिक ने किफायती ओवर डालकर भारत पर दबाव बनाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 32 रन की पारी खेली, लेकिन वह बड़े शॉट लगाने में ज्यादा सफल नहीं हो पाए। शिवम दुबे (27) और तिलक वर्मा (25) ने योगदान दिया, मगर लगातार विकेट गिरने से टीम अंतिम ओवरों में खुलकर नहीं खेल सकी।

भारतीय गेंदबाजों का सामूहिक प्रदर्शन

भारत के लिए हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती ने दो-दो विकेट लिए। कुलदीप यादव और तिलक वर्मा को भी एक-एक सफलता मिली। खास बात यह रही कि भारतीय गेंदबाजों ने किसी एक बल्लेबाज को टिककर साझेदारी बनाने का मौका नहीं दिया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। एक समय टीम 200 के पार जाती दिख रही थी, लेकिन बीच के ओवरों में लगे झटकों ने रनगति पर ब्रेक लगा दिया। पाकिस्तान की ओर से 20 में से 18 ओवर स्पिनर्स से कराना इस मुकाबले में चर्चा का विषय रहा। शुरुआत में भारत को झटका जरूर लगा जब सलमान आगा ने अभिषेक शर्मा को पहले ही ओवर में आउट कर दिया।

उस्मान की जिस मिस्ट्री पर कूद रहा था पाक, सूर्या के मास्टर स्ट्रोक ने कर दिया फुस्स

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को मात देते हुए 61 रन से बड़ी जीत दर्ज की। मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया, जहां टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 176 रन बनाए और फिर पाकिस्तान को 114 पर समेट दिया। यह जीत सिर्फ स्कोरलाइन के लिहाज से नहीं, बल्कि मानसिक जंग के लिहाज से भी खास रही। मैच से पहले पाकिस्तान की ओर से बायकॉट की बातें और उस्मान तारिक को लेकर जबरदस्त हाइप बनाया गया। कप्तान सलमान आगा ने उन्हें टीम का 'ट्रंप कार्ड' बताया था। लेकिन मैदान पर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने ऐसा दांव चला कि सारी 'मिस्ट्री' धरी रह गई। पाकिस्तान ने गेंदबाजी की शुरुआत स्पिन से की और पहले ही ओवर में अभिषेक शर्मा को आउट कर फायदा भी उठाया। माहौल बन चुका था कि उस्मान तारिक भारत के लिए मुश्किल खड़ी करेंगे। लेकिन इसके बाद ईशान किशन ने आक्रामक अंदाज में रन बटोरे और दबाव कम किया। ईशान के आउट होने के बाद जब सूर्यकुमार यादव क्रीज पर आए तो उन्होंने जल्दबाजी नहीं दिखाई। सूर्या ने पिच का मिजाज भांप लिया था। उन्होंने तिलक वर्मा के साथ मिलकर जोखिम भरे शॉट्स से परहेज किया और सिंगल-डबल लेकर पारी को आगे बढ़ाया। खास बात यह रही कि उन्होंने उस्मान तारिक को भी संभलकर खेला और उन्हें कोई बड़ा मौका नहीं दिया। यही मास्टरस्ट्रोक मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

भारत के खिलाफ टीम को हारता देख बीच मैच में ही भाग निकला ट्रॉफी चोर नकवी

कोलंबो। टी20 विश्वकप 2026 के सबसे हाई-वोल्टेज मैच को लेकर कई दिनों से बयान, राजनीति और अटकलों का दौर चल रहा था, लेकिन कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में जब खेल शुरू हुआ तो सारी चर्चा जल्दी ही फीकी पड़ गई। भारत टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 176 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया और फिर गेंदबाजों ने ऐसा शिकंजा कसा कि पाकिस्तान टीम कभी मुकाबले में लौटी ही नहीं। हालांकि, मैच से ज्यादा चर्चा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी की हो रही है, जो बेशर्मी की हद पार करते हुए कोलंबो पहुंचे थे। इतना ड्रामा और गीदड़भभकियों के बाद ट्रॉफी चोर नकवी कोलंबो पहुंचे, लेकिन अपनी टीम को हारता देख, बीच मैच में ही वापस लौट गए। इसका वीडियो भी सामने आया है। पाकिस्तानी पारी का 12वां ओवर मैच का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। मोहम्मद नवाज के आउट होते ही स्कोर 77/5 हो चुका था और दबाव चरम पर था। इसी बीच न्यूज एजेंसी पीटीआई के कैमरों ने मोहसिन नकवी को स्टेडियम से बाहर निकलते हुए कैद कर लिया। बाद में तस्वीरें सामने आईं कि वह मैच खत्म होने से पहले ही कार में बैठकर रवाना हो गए। सोशल मीडिया पर यह दृश्य तेजी से वायरल हुआ।

टी-वर्ल्ड में आज शाम को ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका होंगे आमने-सामने

कंगारू हारे तो क्वालिफाई करना होगा मुश्किल, जिम्बाब्वे से हार चुके हैं मैच

नई दिल्ली, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच टी20 वर्ल्ड कप का 30वां मैच सोमवार को श्रीलंका के पल्लेकेले स्टेडियम पर शाम 7 बजे से खेला जाएगा। जिम्बॉब्वे से मिली करारी हार के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम वापसी करना चाहेगी। कोलंबो के आर. प्रेमादासा स्टेडियम पर शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में जिम्बॉब्वे ने 170 रन का टारगेट दिया था। जिसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 19.4 ओवर में 146 रन पर ढेर हो गई थी। दूसरी ओर श्रीलंका अपने दोनों मुकाबले जीतकर ग्रुप-क्रके प्वाइंट्स टेबल में नंबर 1 पोजिशन पर है। श्रीलंका ने पहले आयरलैंड को 20 रन से हराया और फिर ओमान के खिलाफ 105 रन से विशाल जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रीलंका को अपने होमग्राउंड पर खेलने का भी फायदा मिलेगा। श्रीलंकाई स्पिनर्स विरोधी टीम को अपनी फिरकी में फंसा सकते है।

हेड टू हेड- दोनों टीमें टी20 इंटरनेशनल में अब तक 26 बार आमने-सामने आ चुकी हैं। इसमें 16

मैच ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं, जबकि 10 मुकाबलों श्रीलंका को जीत मिली है।

टी20 वर्ल्ड कप में भी दोनों की 5 बार भिड़ंत हुई है। इसमें भी ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी रहा है। ऑस्ट्रेलिया ने 4 बार श्रीलंका को शिकस्त दी है, जबकि श्रीलंका को एकमात्र और आखिरी जीत 2009 में मिली थी। 17 साल से ऑस्ट्रेलिया टी20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका से नहीं हारी है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मैट रेनशॉ इस वर्ल्ड कप में टॉप स्कोरर रहे हैं। उन्होंने 2 मैचों में 132.46 की स्ट्राइक रेट से 102 रन बनाए हैं।

कुसल मेंडिस ने दोनों मैचों में फिफ्टी लगाई

श्रीलंका के लिए कुसल मेंडिस ने इस टूर्नामेंट से सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। मेंडिस ने दोनों मैचों में अर्धशतक लगाते हुए 132.95 की स्ट्राइक रेट से 117 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 61 रहा है। वहीं महीश तीक्षणा श्रीलंका के लिए बेस्ट बॉलर साबित हुए हैं। उन्होंने 2 मैचों में 4.25 की इकोनॉमी से रन खर्च करते हुए 5 विकेट लिए हैं। उनका बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस 23 रन देकर 2 विकेट रहा है।

पिच कंडीशन

श्रीलंका के पल्लेकेले इंटनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में 31 टी20 इंटरनेशल मैच खेले गए हैं। इसमें 29 बार पहले बैटिंग करने वाली टीम जीती है, जबकि चेज करने वाली टीम को सिर्फ 1 मैच में जीत मिली है। वह मुकाबला भी सुपर ओवर में गया था। 1 मैच बेनतीजा रहा है।

चेहरे पर लगी भयानक चोट, बेन स्टोक्स ने खाई हमेशा हेलमेट पहनने की कसम

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने चेहरे पर गेंद लगने के बाद कसम खाई है कि अब वह खेलते समय या बैटिंग प्रैक्टिस करते समय हमेशा हेलमेट पहनेंगे। उन्होंने मुकाबले के दौरान स्पिनर्स का सामना करते समय हेलमेट न पहनने की बैट्समैन की रणनीति पर भी सवाल उठाए हैं। बेन स्टोक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर लिखा, ÷जब स्पिन गेंदबाजी हो रही हो तो मुझे हेलमेट न पहनने का मतलब कभी समझ नहीं आया, मैं बिना हेलमेट के थ्रोडाउन करता था। पिछले हफ्ते दुर्घटना के बाद और नतीजे में बहुत भाग्यशाली होने के बाद, मैं कभी हेलमेट नहीं पहनूंगा, क्रिकेट बॉल से बहुत नुकसान होता है।

बेन स्टोक्स डरहम में एक इंडोर ट्रेनिंग सेशन के दौरान नेट्स के किनारे खड़े होकर युवाओं को कोचिंग दे रहे थे। इस दौरान अचानक एक गेंद सीधी उनके चेहरे पर लगी। इस हादसे में उनकी दाईं आंख के पास गंभीर चोट लगी और गाल और होंठ सूज गए। स्टोक्स ने चोट लगने के तुरंत बाद हॉस्पिटल से अपनी एक तस्वीरे शेयर की थी, जिसमें उनके चेहरे पर काफी सूजन नजर आ रही थी। इस तस्वीर के कैप्शन में उन्होंने लिखा, ÷आपको क्रिकेट बॉल की हालत देखनी चाहिए।÷

इंग्लैंड के टॉप ऑलराउंडर को इस घटना के बाद गाल की हड्डी की सर्जरी करवानी पड़ी। उन्होंने 5 फरवरी को एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए सफल सर्जरी के बारे में बताया था। वह हॉस्पिटल के बेड पर थे, उनकी दाहिनी आंख पर गहरी चोट और गाल पर एक छोटा सा चीरा लगा हुआ था। उन्होंने पोस्ट में लिखा, ÷हो सकता है ऐसा न लगे, लेकिन सर्जरी सफल रही।÷ उल्लेखनीय है कि बेन स्टोक्स वर्ल्ड कप 2023 के बाद इंग्लैंड की व्हाइट-बॉल टीम से बाहर हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

तापसी पर पड़ा सीरियस किरदारों का बुरा असर, बोलीं

रो देती हूं-वॉर्डरोब बदल जाता है

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू जल्द ही अस्सी फिल्म में नजर आने वाली हैं। फिल्म 20 फरवरी को रिलीज होने वाली है। इसमें तापसी एक वकील के किरदार में नजर आएंगी जो महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठाती हैं। तापसी ने बताया कि क्यों वो कंवेशनल हीरोइन वाले किरदार नहीं करती हैं। तापसी ने एक्सक्लुसिव बातचीत में जिक्र किया कि वो हटके रोल्स करना कितना पसंद करती हैं, लेकिन इसका उनपर बुरा असर भी होता है। वो उन किरदारों के असर से खुद को पूरी तरह जुदा नहीं कर पाती हैं। तापसी बोलीं- मैं ट्रेंड के साथ चलने के बजाए अपने आप को हमेशा मुश्किल में डाला है। क्योंकि इसमें जो मजा है ना, इसकी सक्सेस में जो मिठास होती है वो कुछ और ही होती है। मेरे लिए कभी फॉर्मुला ने काम नहीं किया। मैंने साउथ फिल्मों से शुरुआत की थी। वहां मैंने किया बड़ी-बड़ी फिल्मों में काम, नाच-गाना, बड़े-बड़े सेट लगे हैं। वो सारी बड़ी फिल्में मेरी नहीं चलीं। जब मुझे लगा कि कुछ हटके करना है, हटके रोल हो, कहानी हो, सिर्फ वही फिल्में मेरे साथ चली हैं। मेरे लिए वो कंवेशनल वाला रोड हमेशा ब्लॉक ही रहा है।

तापसी ने आगे बताया कि उन किरदारों का असर इस कदर होता है कि वो बात-बात पर रो पड़ती हैं। तापसी बोलीं कि कंवेशनल फिल्मों में काम करके वो इरिटेट हो जाती हैं, सेट पर लगता था कि वो वहां क्यों हैं। सिर्फ इसलिए क्योंकि फिल्म में एक लड़की चाहिए। तापसी ने कहा- पिंक में मेरा विक्टिम का किरदार था। तो वो करते हुए मेरे अंदर का कुछ छूट गया पीछे। 10-12 घंटों की शिफ्ट होती है, लगभग 30-35 दिन तक। तो उसमें लगातार आपको ये सोचना पड़ता है कि आपके साथ ये हुआ है।

दिलों-दिमाग पर पड़ा असर

तापसी ने आगे कहा कि- ये मेरे दो धारी तलवार जैसा है। कभी लगता है कि चलो इतने सालों में कोई इमेज तो कमाई। कितनी एक्ट्रेसेज होती हैं जो आती हैं चली जाती हैं। उनकी कोई एक इमेज या रिकॉल वैल्यू नहीं होती है। मैं इसी बात से खुश हूं कि मेरे लिए कोई तो रिकॉल वैल्यू है कि तापसी इस तरह के रोल करती हैं। लेकिन बुरा ये लगता है कि जो मेरे दिमाग का दही होता है हर फिल्म के बाद। उससे मुझे उबरने में समय लगता है। क्योंकि मैं ट्रेंड एक्टर नहीं हूं तो मेरे दिमाग-दिल का कुछ हिस्सा वहां रह जाता है, मेरे अंदर बहुत कुछ बदल जाता है, जो वापस कभी पहले की तरह रिसेट नहीं होता है। अपनी आने वाली फिल्म अस्सी पर बात करते हुए तापसी ने बताया कि उन्होंने पिंक फिल्म को जहां छोड़ा था वहीं से अस्सी को उठाया गया है। अनुभव सिन्हा के साथ वो तीसरी फिल्म में काम कर रही हैं, जिसका एक्सपीरियंस उनके लिए बेहतरीन है। तापसी मानती हैं कि उनकी और अनुभव की आईडियोलॉजी मिलती है।

टीवी पर छाया, मगर बॉलीवुड में एक्टर को नहीं मिल रहे लीड रोल्स, सामने आया दर्द

एक्टर करण टैकर टीवी और ओटीटी इंडस्ट्री का जाना-माना चेहरा हैं. करण को लोग तबसे जानते हैं, जबसे वो एक हजारों में मेरी बहना है शो में आए थे. उसमें उनकी और क्रिस्टल डिसूजा की केमिस्ट्री काफी पसंद की गई थी. फिर करण ने अपनी जगह ओटीटी पर वेब सीरीज के जरिए बनाई. बॉलीवुड में करण का स्ट्रगल

करण टैकर को फिल्ममेकर नीरज पांडे की बनाई वेब सीरीज जैसे स्पेशल ऑप्स और खाकी द बिहार चैप्टर में देखा गया है, जिससे उन्हें काफी पहचान मिली. आज के वक्त में करण ने ओटीटी पर अपनी अच्छी-खासी जगह बना ली है. वो इनके अलावा और भी वेब सीरीज में नजर आते रहते हैं. लेकिन करण को इतने सालों और सक्सेसफुल काम के बावजूद बॉलीवुड में जगह नहीं मिल पाई.

एक्टर ने इस बीच फिल्मों में काम करने की काफी कोशिश की, लेकिन उन्हें बतौर लीड नहीं कास्ट किया गया. अब करण ने बॉलीवुड इंडस्ट्री के लिए स्ट्रगल करने पर खुलकर बात की है. वैराइटी इंडिया को दिए हालिया इंटरव्यू में एक्टर ने बताया कि चूंकि वो टीवी एक्टर हैं,

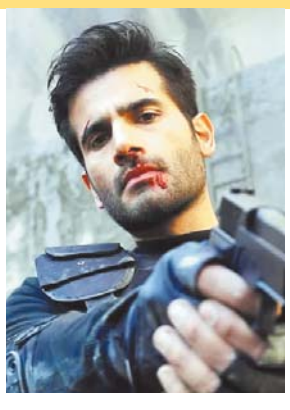

इसलिए इंडस्ट्री में कई चीजें उनके खिलाफ होती हैं. करण ने कहा, मेरी मानिए, आज मुझे साढ़े पांच साल हो गए हैं कि मैं OTT पर एक्टर हूं. अगर मुझे नीरज पांडे सर का साथ ना मिलता, तो मुझे लगता है कोई भी प्लेटफॉर्म मेरे साथ काम करना चाहता. क्योंकि टीवी से आए एक्टर्स के खिलाफ सभी के मन में एक बायस्डनेस है. सब बहुत साफ-साफ कहते हैं कि अगर एक्टर टीवी का है, तो उसे लीड रोल में नहीं लेंगे.

मेट्रो बाजार

भारत-अमेरिका ट्रेड डील संतुलित, निर्यात केंद्रित वृद्धि को मिलेगा बढ़ावा-पीयूष गोयल

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने विपक्ष के उन दावों को खारिज किया, जिसमें कहा गया था कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता घरेलू हितों को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता संप्रभुता को छोड़े बिना उपभोक्ता हितों और निर्यात-आधारित विकास के बीच संतुलन बनाने के लिए तैयार किया गया है। गोयल ने कहा कि 4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होने के चलते हमने इस समझौते में मजबूत स्थिति में डील की है और अपने देश के आत्मनिर्भर सेक्टर्स को सुरक्षित रखा है। केंद्रीय मंत्री गोयल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस आंतरिक समझौते को निष्पक्ष और संतुलित बताते हुए कहा कि पांच वर्षों में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान (ऊर्जा, विमान, प्रौद्योगिकी) खरीदने का लक्ष्य केवल एक इरादा है, बाध्यकारी दायित्व नहीं, और यह भारत की वास्तविक व्यावसायिक आवश्यकताओं से प्रेरित है। उन्होंने आगे कहा, अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर रेसिप्रोकल टैरिफ 50 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया है। इससे भारत को चीन (35 प्रतिशत) और बांग्लादेश/वियतनाम (20 प्रतिशत) जैसे प्रतिस्पर्धियों पर स्पष्ट लाभ प्राप्त होता है। कई प्रमुख भारतीय क्षेत्रों को अब शून्य शुल्क का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि चावल, गेहूं, मक्का, बाजरा और दुग्ध जैसे संवेदनशील कृषि उत्पादों को इस समझौते से बाहर रखा गया है, ताकि इस ट्रेड डील का कोई नकारात्मक असर न हो। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, अमेरिका को दुग्ध, मुर्गी पालन, मांस, गेहूं, चावल, मक्का और सोयाबीन पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी गई है।

शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की दमदार वापसी, आया 19,675 करोड़ का निवेश

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी के शुरुआती दिनों में भारतीय शेयर बाजार में जोरदार वापसी की है। महीने के पहले पखवाड़े में ही उन्होंने 19,675 करोड़ रुपए का निवेश किया है। लगातार तीन महीनों की भारी बिकवाली के बाद घरेलू बाजार में फिर से दिलचस्पी बढ़ी है और इस सुधार के पीछे अमेरिका-भारत ट्रेड डील और वैश्विक आर्थिक हालात में आई नरमी को कारण माना जा रहा है।

डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले महीनों में एफपीआई ने भारतीय बाजार से बड़ी मात्रा में बिकवाली की थी। जनवरी में उन्होंने 35,962 करोड़ रुपए, दिसंबर में 22,611 करोड़ रुपए और नवंबर में 3,765 करोड़ रुपए निकाले थे। लगातार निकासी से घरेलू शेयर बाजार पर दबाव बना रहा और इससे वैश्विक निवेशकों की सतर्क सोच भी झलकती रही। साल 2025 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल मिलाकर 1.66 लाख करोड़ रुपए (लगभग 18.9 अरब डॉलर) निकाल चुके हैं।

यह हाल के वर्षों में विदेशी निवेश के लिहाज से सबसे कमजोर दौरों में से एक माना जा रहा है। बिकवाली की बड़ी वजहों में रुपए में उतार-चढ़ाव, वैश्विक व्यापार तनाव, अमेरिका की संभावित टैरिफ नीतियों की चिंता और भारतीय बाजार में ऊंचे शेयर मूल्य शामिल रहे। हालांकि, फरवरी में सुधार के संकेत दिखे हैं। 13 फरवरी तक हुई 11 ट्रेडिंग सत्रों में से 7 दिन एफपीआई ने खरीदारी की, जबकि 4 दिन उन्होंने बिकवाली की।

महाराष्ट्रः बेसमेंट में लगी भीषण आग, 29 दोपहिया वाहन खाक, पांच घायल

डोंबिवली। महाराष्ट्र के डोंबिवली ईस्ट के सागाव इलाके में एक रिहायशी इमारत के बेसमेंट में भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। इस हादसे में 29 दोपहिया वाहन और कई साइकिलें जलकर पूरी तरह खाक हो गईं, जबकि आग बुझाने की कोशिश में पांच लोग घायल हो गए। घटना सागाव स्थित चेडा नगर, जय भारत स्कूल के पास 'राज अपार्टमेंट' और 'रविकिरण सोसायटी' नामक जुड़ी हुई इमारतों के बेसमेंट पार्किंग में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पार्किंग में खड़ी एक बाइक में अचानक आग लग गई, जिसने कुछ ही मिनटों में विकराल रूप धारण कर लिया। पास-पास खड़े अन्य दोपहिया वाहन भी आग की चपेट में आ गए। देखते ही देखते बेसमेंट से उठती आग की लपटें और घना धुआं सीढ़ियों के रास्ते ऊपरी मंजिलों तक फैल गया, जिससे इमारत में रहने वाले लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी।

मुस्लिम युवक शाहनवाज छत पर 'बम' बना रहा था

एक चूक और हो गया बड़ा धमाका, दो लोगों की मौत

ओडिशा। भुवनेश्वर के सुंदरपाड़ा इलाके में 27 जनवरी को हुए विस्फोट का CCTV फुटेज सामने आया है। इस हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिनमें से दो की इलाज के दौरान मौत हो गई। फुटेज में दिख रहा है कि एक रिहायशी इमारत की छत पर लगे पानी के टैंकों के पीछे अचानक आग का तेज गोला उठता है, जिसके बाद घना धुआं आसमान में फैल जाता है। धमाका इतना जोरदार था कि आसपास के इलाकों में तेज झटका महसूस हुआ और दहशत में लोग घरों से बाहर निकल आए। पुलिस के अनुसार, विस्फोट छत पर विस्फोटक सामग्री संभालने के दौरान हुआ। घायल चारों लोगों को पहले कैपिटल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, बाद में निजी अस्पताल में शिफ्ट किया गया। इलाज के दौरान महिला और उसके बेटे की मौत हो गई।

जताई अवैध बम निर्माण की आशंका

भुवनेश्वर के डीसीपी जगमोहन मीणा ने बताया कि मामले में शहनवाज मलिक मुख्य आरोपी है। जांच में अवैध बम निर्माण की आशंका जताई जा रही है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि शहनवाज मलिक अपने सहयोगियों के साथ घर में विस्फोटक उपकरण बना रहा था। घटनास्थल से बारूद भी बरामद हुआ है, जिससे बम बनाने के शक को बल मिला है।

न्यूज विंडो

स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्य के बीच बड़ी राहत मिली यात्रियों को

ग्वालियर . रेलवे स्टेशन पर लंबे समय से चल रहे निर्माण कार्य के बीच आखिरकार यात्रियों को बड़ी राहत मिली है। स्टेशन के मेन गेट पर लगी भारी मशीनों और निर्माण सामग्री को हटा दिया गया है। जिससे आवागमन पहले की तुलना में काफी सुगम हो गया है। महीनों से यात्री इसी अव्यवस्था के कारण परेशान हो रहे थे। स्टेशन परिसर में निर्माण कार्य के चलते मुख्य प्रवेश द्वार पर जेसीबी, मिक्सर मशीनें और अन्य उपकरण खड़े रहने से रास्ता संकरा हो गया था। यात्रियों को सामान के साथ अंदर-बाहर जाने में कठिनाई होती थी। विशेषकर बुजुर्ग, महिलाएं और दिव्यांग यात्रियों को ज्यादा दिक् कतों का सामना करना पड़ता था। इससे कई बार भीड़ के समय धक्का -मुक्खी जैसी स्थिति भी बन जाती थी। प्लेटफार्म एक पर ही सबसे ज्यादा ट्रेनों का आवागमन होता है और अधिकांश यात्री इसी प्लेटफार्म से ट्रेन पकड़ते हैं। ऐसे में मेन गेट पर बाधा होने से सीधा असर यात्रियों की आवाजाही पर पड़ रहा था। सुबह और शाम के पीक आवर में स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण हो जाती थी।

बिहार में आर्केस्ट्रा डांसर के साथ गैंगरेप

बिहार। आरा में आर्केस्ट्रा गर्ल के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। यहां आर्केस्ट्रा संचालक ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर घटना को अंजाम दिया। बिहार के भोजपुर में यूपी की आर्केस्ट्रा डांसर के साथ गैंगरेप की घटना सामने आई है। पीड़िता का आरोप है कि आर्केस्ट्रा संचालक और उसके दोस्तों ने गैंगरेप किया। विरोध करने पर युवती के साथ मारपीट बी की। पीड़िता और उसके पति ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस मामला दर्ज कर तीनों आरोपियों आर्केस्ट्रा संचालक लक्ष्मण यादव(40), मैजिक ड्राइवर अशोक कुमार यादव(41) और डीजे ऑपरेटर जितेंद्र कुमार यादव(21) को गिरफ्तार कर लिया है। महिला डांसर के पति ने कहा कि हम लोग यूपी के आजमगढ़ के रहने वाले हैं। काम की तलाश में मेरी पत्नी आर्केस्ट्र संचालक लक्ष्मण यादव से मिली थी। मेरी पत्नी स्टेज शो करती है। काम अच्छा चल रहा था।

इस बार एमपी से दोगुने हज यात्री 3085 से बढ़कर 8000 हुई संख्या

भोपाल। प्रदेश से हजयात्रा पर रवाना होने वालों की संख्या दोगुना हो चुकी है। हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा वेटिंग लिस्ट क्लियर किए जाने के बाद मध्य प्रदेश के 3,085 अतिरिक्त आवेदकों का चयन पक्का हो गया है। इसके साथ प्रदेश से यात्रा पर जाने वालों की संख्या अब 8,000 हो चुकी है। यह संख्या अभी और भी बढ़ने की उम्मीद है। हजयात्रा के लिए प्रदेश से दस हजार लोगों ने आवेदन जमा किए किए थे। हज कोटे के आधार पर इनमें से 4,567 का चुनाव हुआ। बाकी वेटिंग सूची में शामिल हुए। दूसरे प्रदेशों में हज आवेदनों के मुकाबले कोटा अधिक रहा। ऐसे में बचा हुआ कोटा प्रदेश को मिला। इस कोटे से वेटिंग सूची की लिस्ट से चुनाव हुआ है। मध्य प्रदेश से इस बार हर हज आवेदक को हज यात्रा का मौका मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसा अतिरिक्त कोटे के लगातार बढ़ने के चलते हैं। यह कोटा सेंट्रल हज कमेटी निर्धारित करती है। देशभर से डेढ़ लाख लोग रवाना होंगे। इसके आधार पर हर प्रदेश का अपना कोटा है। इसमें आवेदन न होने पर कमेटी उन प्रदेशों को इसे बांट देती है जहां आवेदक हैं।

यूरोपीय देशों के दावे पर यूएस का चौंकाने वाला बयान

जेल में जहर से हुई पुतिन के विरोधी नेता की मौत, रूस ने बताया प्रोपेगेंडा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पांच यूरोपीय देशों की उस रिपोर्ट पर चिंता जताई, जिसमें रूस पर क्रेमलिन के आलोचक एलेक्सी नवलनी की हत्या के लिए जहरीले मेंढकों के जहर के इस्तेमाल का आरोप लगाया गया है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन के पास इस रिपोर्ट पर सवाल उठाने का कोई कारण नहीं है और अमेरिका इन देशों के निष्कर्षों पर विवाद नहीं कर रहा है। उधर, रूस ने यूरोपीय देशों के आरोपों को पश्चिमी प्रोपेगेंडा करार दिया है। मंत्री मार्को रुबियो ने लोवाकिया की राजधानी ब्रातिस्लावा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अलेक्सी नवलनी की मौत पर यूरोपीय सहयोगियों की रिपोर्ट का जिक्र करते हुए कहा कि हम स्पष्ट रूप से इस रिपोर्ट से अवगत हैं। ये एक चिंताजनक रिपोर्ट है। हम नावलनी के मामले से वाकिफ हैं और निश्चित रूप से। हमारे पास इसे संदेह करने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने जोर दिया कि अमेरिका इन देशों के साथ इस मुद्दे पर विवाद नहीं कर रहा है। वहीं, प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब उनसे पूछा गया कि अमेरिका ने इस बयान में शामिल क्यों नहीं हुआ तो उन्होंने स्पष्ट किया कि ये उन देशों का अपना प्रयास था। उन्होंने कहा कि अमेरिका परिणाम से असहमत नहीं है, लेकिन कभी-कभी देश अपनी खुफिया जानकारी के आधार पर स्वतंत्र रूप से कार्य करते हैं। अमेरिका इन देशों के निष्कर्षों पर कोई विवाद नहीं कर रहा है।

यूरोपीय देशों ने जारी की रिपोर्ट

दरअसल, एक संयुक्त बयान में पांच यूरोपीय देशों- ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, स्वीडन और नीदरलैंड ने कहा कि नवलनी के शरीर से लिए गए नमूनों के विश्लेषण ने एपिबैटिडाइन की उपस्थिति की पुष्टि की है। ये जहर दक्षिण अमेरिका में जहरीले डार्ट मेंढकों में पाया जाता है और रूस में प्राकृतिक रूप से नहीं मिलता। इन देशों ने कहा कि रूस के पास ही इसकी पहुंच एक सोची समझी साजिश थी और नावलनी की मौत जहर से हुई है।

रूस ने खारिज किए आरोप

रूसी सरकार ने नवलनी की मौत में किसी भी तरह की भूमिका से इनकार किया है और इन ताजा आरोपों को पश्चिमी प्रोपेगेंडा करार दिया है। रूसी समाचार एजेंसी TASS के अनुसार, मॉस्को ने इसे एक धोखा बताया है। बता दें कि एलेक्सी नवलनी की फरवरी 2024 में एक आर्कटिक जेल कॉलोनी में मौत हो गई थी। वे चरमपंथ और अन्य आरोपों में सजा काट रहे थे, जिन्हें उन्होंने हमेशा राजनीति से प्रेरित बताकर खारिज किया था।

स्लोवाकिया से द्विपक्षीय चर्चा

अपनी ब्रातिस्लावा यात्रा के दौरान रुबियो ने स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने परमाणु ऊर्जा साझेदारी, सैन्य सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की। फिको ने घोषणा की कि स्लोवाकिया एक नए परमाणु संयंत्र के निर्माण के लिए अमेरिकी फर्म वेस्टिंगहाउस के साथ समझौता करने की उम्मीद कर रहा है। इसके अलावा स्लोवाकिया ने अमेरिका से खरीदे गए F-16 विमानों की संख्या बढ़ाकर 18 करने में भी रुचि दिखाई है।

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग का बड़ा एक्शन

सात अफसर निलंबित, मतदाता सूची पुनरीक्षण के काम में गड़बड़ी के आरोप

कोलकाता.एजेंसी। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के काम में लगे सात अधिकारियों को निलंबित किया गया है। चुनाव आयोग ने गंभीर कदाचार के आरोपी इन अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। राज्य के मुख्य सचिव को अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश भी दिया गया है। दोषी पाए गए सभी अफसर एसआईआर प्रक्रिया में सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। निर्वाचन आयोग ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 13सीसी के तहत यह कार्रवाई की है।

निलंबित किए गए सभी अधिकारी चुनाव आयोग के सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। बूथ स्तर के अधिकारी और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी आमतौर पर राज्य सरकार के कर्मचारी होते हैं, जिन्हें मतदाता सूची के अद्यतन और चुनाव प्रक्रिया में सहयोग के लिए आयोग में प्रतिनियुक्ति पर भेजा जाता है। आयोग के आदेश का हवाला देते हुए अधिकारियों ने बताया कि पश्चिम बंगाल की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को निर्देश दिया गया है कि संबंधित अधिकारियों के खिलाफ उनके कैडर नियंत्रक प्राधिकरणों के माध्यम से बिना किसी देरी के अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की जाए।

निलंबित अधिकारियों की सूची

डॉ. सफी उर्रहमान- एईआरओ, सहायक निदेशक, कृषि विभाग, 56-समसेरगंज विधानसभा क्षेत्र, मुर्शिदाबाद जिला। **नीतीश दास**- राजस्व अधिकारी, फरक्का और 55-फरक्का विधानसभा क्षेत्र के लिए एईआरओ। **डालिया रे चौधरी**- एईआरओ, महिला विकास कार्यालय, मैनागुड़ी विकास खंड और 16-मैनागुड़ी विधानसभा क्षेत्र के लिए एईआरओ। **एसके मुर्शिद आलम**- एडीए, सूती ब्लॉक और 57-सूती विधानसभा क्षेत्र के लिए एईआरओ। **सत्यजीत दास**- संयुक्त बीडीओ और 139-कैनिंग पुरबो विधानसभा क्षेत्र के लिए एईआरओ। **जॉयदीप कुंडू**- एफईओ और 139-कैनिंग पुरबो विधानसभा क्षेत्र के लिए एईआरओ।

ट्रंप के सामने इजरायली पीएम नेतन्याहू की शर्त

ईरान का परमाणु ढांचा पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के साथ किसी भी संभावित समझौते को लेकर अपनी स्पष्ट और कड़ी शर्तें सामने रखी हैं। एक सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा, मैं आपसे यह नहीं छिपाऊंगा कि मुझे ईरान के साथ किसी भी समझौते पर संदेह है, क्योंकि सच कहूं तो ईरान एक ही चीज में भरोसेमंद है, वे झूठ बोलते हैं और धोखा देते हैं। पीएम नेतन्याहू ने कहा कि प्रस्तावित समझौते में कई अहम तत्व शामिल होने चाहिए जो न केवल इजरायल बल्कि अमेरिका और दुनिया की सुरक्षा के लिए भी जरूरी हैं। उनकी पहली शर्त थी, सारा समृद्ध परमाणु पदार्थ ईरान से बाहर जाना चाहिए। दूसरी शर्त पर उन्होंने कहा, समृद्धि की क्षमता ही खत्म की जानी चाहिए, केवल प्रक्रिया रोकना नहीं, बल्कि उस उपकरण और ढांचे को खत्म करना होगा जो इसे संभव बनाते हैं।नेतन्याहू ने तीसरी शर्त के रूप में बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा,एमटीसीआर के तहत 300 किलोमीटर की सीमा है और ईरान को इसका पालन करना चाहिए, लेकिन वह ऐसा नहीं करता। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्रीय सहयोगी समूहों के समर्थन को भी समझौते का हिस्सा बनाने की बात कही। प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा, चौथी बात यह है कि ईरान द्वारा बनाए गए आतंक के गठजोड़ को खत्म किया जाए। यह कमजोर हुआ है, लेकिन अभी भी मौजूद है और खुद को फिर से खड़ा करने की कोशिश कर रहा है।

ग्रेटर नोएडा की दो सोसाइटी में मचा हड़कंप

ऑनलाइन मंगवाया था कुट्टू का आटा खाने से 40 से अधिक लोग पड़े बीमार

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की इको विलेज-3 और हिमालया प्राइड सोसाइटी के निवासियों को महाशिवरात्रि के व्रत में कुट्टू का आटा खाना भारी पड़ा गया। दोनों जगह 40 से अधिक लोगों की तबीयत खराब हो गई। ज्यादातर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज चल रहा है। लोगों ने बताया कि कुट्टू का आटा खुला हुआ था। जिसका सेवन किया गया। वहीं एक बार फिर खाद्य विभाग की लापरवाही सामने आई है।

इको विलेज-3 सोसाइटी के निवासियों ने बताया कि रविवार को महाशिवरात्रि का व्रत था। शाम को व्रत पूरा करने के लिए निवासियों ने कुट्टू के आटे का प्रयोग किया, लेकिन सेवन करने के बाद अचानक लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। उल्टी-दस्त के साथ पेट दर्द की समस्या बढ़ गई। सोसाइटी के 30 से अधिक लोगों को यह समस्या रही। इनमें बच्चे भी शामिल है। समस्या बढ़ने पर लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां सुबह तक उनका इलाज चल रहा है। वहीं हिमालय प्राइड सोसाइटी में भी 15 से अधिक लोग बीमार है। निवासियों ने बताया कि सभी का इलाज न्यूमेड अस्पताल में चल रहा है।

मेट्रो एंकर

केरल में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में पहुंचे मणिशंकर अय्यर, सीएम विजयन से बोले

चरणों में गिरकर अपील करता हूं, आप संभालें जिम्मेदारी

तिवनंतपुरम, एजेंसी

केरल में आगामी विधानसभा चुनावों से पहले राजनीति पारा चढ़ गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री मणिशंकर अय्यर ने केरल सीएम पिनरई विजयन को लेकर ऐसा दावा किया कि कांग्रेस में भूचाल आ गया है। अय्यर ने कहा कि विजयन एक बार फिर केरल के मुख्यमंत्री बनेंगे। इसी के साथ अय्यर ने केरल में पंचायती राज में सुधार के लिए कानून में संशोधन की आवश्यकता पर जोर दिया और इसकी जिम्मेदारी संभालने के लिए पिनरई विजयन का जिक्र किया।

दरअसल, मणिशंकर अय्यर तिरुवनंतपुरम में विजन 2031: विकास और लोकतंत्र शीर्षक से आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे, जिसका उद्घाटन सीएम विजयन ने किया। इस दौरान कार्यक्रम में मणिशंकर अय्यर ने पंचायती राज व्यवस्था में केरल के शीर्ष स्थान को कानूनी रूप से सुरक्षित करने के लिए आवश्यक संशोधन किए जाने चाहिए और इसके लिए सुझाव भी दिए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में कोई पंचायती राज समर्थक नहीं बचा। केरल के इस सेमिनार में मुझे अपनी पार्टी सहयोगियों की अनुपस्थिति का अफसोस है। सीएम विजयन मैं आपके चरणों में गिरकर निवेदन करता हूं, कांग्रेस की छोड़ी गई जिम्मेदारी आप संभालें।

इससे पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के दौरान पंचायती राज मंत्री के रूप में कार्य कर चुके अय्यर ने महात्मा गांधी के भारत के दृष्टिकोण को याद किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता ने एक ऐसे देश की कल्पना की थी, जहां सबसे गरीब लोग भी स्वामित्व की भावना महसूस करें और यह विश्वास करें कि राष्ट्र निर्माण में उनकी प्रभावी भूमिका है। उन्होंने आगे कहा कि यह विडंबनापूर्ण लग सकता है कि उस लक्ष्य की दिशा में सबसे सराहनीय प्रगति करने वाला राज्य केरल है, जहां एक मार्क्सवादी-लेनिनवादी पार्टी का शासन है।

पंचायती राज के मामले में केरल शीर्ष पर

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, मुझे नहीं पता कि यह प्रशंसा है या अपमान, लेकिन मुझे इस अवसर पर अपने पार्टी सहयोगियों की अनुपस्थिति का गहरा अफसोस है, क्योंकि यह एक राजकीय कार्यक्रम है और एक राष्ट्रीय अवसर है। उन्होंने कहा कि निसंदेह पंचायती राज के मामले में केरल शीर्ष पर है और उसने इस संबंध में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की अपेक्षाओं को किसी भी अन्य राज्य की तुलना में कहीं अधिक पूरा किया है। उन्होंने कहा,हालांकि व्यवहार में पंचायती राज के मामले में केरल पहला राज्य है, लेकिन कानून के मामले में यह दूसरे स्थान पर है। वहीं केरल सीएम ने मणिशंकर अय्यर के बयान का वीडियो एक्स पर साझा करते हुए उनकी तारीफ की। उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा विजन 2031 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहे गए प्रेरक शब्द समकालीन परिदृश्य से पूरी तरह मेल खाते हैं। हम इस विश्वास में एकजुट हैं कि लोकतंत्र तभी फलता-फूलता है जब सत्ता जनता के हाथों में हो।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564